रांची, गुरुवार
25.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 203, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों का आंकड़ा 13.21 लाख से अधिक पहुंचा

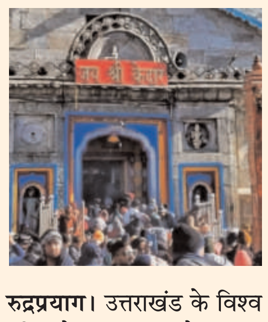

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बुधवार को 8,618 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। इसके साथ ही इस वर्ष की यात्रा में अबतक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 13.21 लाख से अधिक हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 23 जून शाम पांच बजे से 24 जून शाम पांच बजे तक 4654 पुरुष, 3909 महिला श्रद्धालु तथा 55 बच्चों ने केदार बाबा के दर्शन किए। इस अवधि में किसी भी विदेशी श्रद्धालु के दर्शन के लिए पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ। यात्रा प्रशासन के अनुसार केदारनाथ धाम में अब तक कुल 13,21,067 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं और श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार जारी है। चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव केदारनाथ धाम में इस वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा सीजन के दौरान स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने 82 देशों के राजनयिकों को उपहार में भेजे भारतीय आम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने यहां तैनात 82 देशों के राजनयिकों को बुधवार को उपहार स्वरूप भारतीय आम भिजवाए। भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ विजय चौथाईवाले ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम में आम के महत्व पर विचारों से प्रेरित होकर पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में तैनात 82 देशों के मिशन प्रमुखों को भारतीय आम भिजवाए हैं। मिशन प्रमुखों को भेजे गए उपहार में आम की चार प्रमुख किस्में– केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा शामिल हैं। इसके साथ एक व्यक्तिगत संदेश भी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आम अपने क्षेत्र की विशेष पहचान, स्वाद और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह पहल भारत की ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्न की भावना को दशार्ती है और दुनिया के साथ भारतीय संस्कृति, सौहार्द और मिठास साझा करने का एक प्रयास है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने 262 नव-चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, निष्ठा-ईमानदारी से सेवा देने का किया आह्वान

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सीएम

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में 262 नव-चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनसे निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

नियुक्ति प्राप्त करने वालों में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के माध्यम से चयनित 56 खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत संविदा आधारित 151 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 29 वरिष्ठ अस्पताल प्रबंधक तथा 26 वित्त प्रबंधक शामिल हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त और सक्षम मानवबल की आवश्यकता होती है। इसी उद्देश्य से सरकार विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने नव-नियुक्त अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और राज्य के विकास में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि सरकारी पद केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राज्य के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का अवसर भी है।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेषज्ञ मानवबल की आवश्यकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी विकसित राज्य की आधारशिला होती है। इसी सोच के साथ सरकार स्वास्थ्य संस्थानों के विस्तार, आधुनिक सुविधाओं के विकास और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों को समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य ऐसा क्षेत्र है जहां निरंतर नई चुनौतियां सामने आती रहती हैं। चाहे ग्रामीण क्षेत्र हों या शहरी इलाके, संसाधनों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, समय पर उपचार और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाए रखना हमेशा चुनौतीपूर्ण कार्य रहता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वास्थ्य व्यवस्था को हर परिस्थिति के लिए तैयार रखना कितना आवश्यक है। महामारी के दौरान स्वास्थ्य तंत्र के समक्ष अभूतपूर्व परिस्थितियां उत्पन्न हुईं, जिनसे निपटने के लिए त्वरित निर्णय, समन्वय और नवाचार की आवश्यकता पड़ी।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन प्रणाली और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना अनिवार्य है। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे नई तकनीकों और नवाचारों को अपनाते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में योगदान दें।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रहें और मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि आपात स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने, मानव संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने तथा चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है, ताकि राज्य के लोगों को सुलभ, सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, विशेष सचिव नेहा अरोड़ा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नव-नियुक्त अभ्यर्थी उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन सरकार की पहल : राज्य के वृद्ध, बीमार और दिव्यांग कलाकारों को हर महीने मिलेंगे 4 हजार रुपये पेंशन

बिभा संवाददता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर राज्य सरकार ने वरिष्ठ, गंभीर रूप से बीमार एवं स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए मासिक निवृत्तिका (कलाकार पेंशन) योजना को मंजूरी दे दी है. योजना के तहत पात्र कलाकारों को 4000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जायेगी. यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खाते में भेजी जायेगी.

कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की इस योजना का उद्देश्य आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे कलाकारों को

सम्मानजनक जीवन जीने में सहयोग देना है. साथ ही कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित करना भी है. कला-संस्कृति विभाग के निदेशक आसिफ एकराम ने बताया कि उम्र, गंभीर बीमारी अथवा स्थायी दिव्यांगता के कारण आर्थिक संकट झेल रहे कलाकारों के लिए यह योजना महत्वपूर्ण सहारा साबित होगी. उन्होंने कहा कि यह कलाकारों के जीवनभर के योगदान के प्रति राज्य सरकार की कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है.

योजना के तहत झारखंड के मूल निवासी वृद्ध, गंभीर रूप से बीमार और स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकार आवेदन कर सकते हैं. संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला समेत विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं से जुड़े कलाकार इसके दायरे में शामिल होंगे. आवेदन के साथ आयु प्रमाण पत्र, वार्षिक आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति, बैंक खाते का विवरण और कला क्षेत्र में उपलब्धियों, सम्मान और पुरस्कारों से संबंधित प्रमाण पत्र जमा करना होगा. गंभीर बीमारी अथवा दिव्यांगता की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी चिकित्सा या दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी अनिवार्य होगा.

विभाग ने आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी रखा है. इच्छुक कलाकार योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश और आवेदन प्रपत्र झारखंड कल्चर वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं. भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, रांची में जमा किये जा सकते हैं. योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गयी है. सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से राज्य के जरूरतमंद कलाकारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ उनकी कला साधना को भी सम्मान मिलेगा.

कोलकाता के तारातला में में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढही, 3 मजदूरों की मौत

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास निमार्णाधीन गोदाम की छत ढहने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को तीन मंजिला निमार्णाधीन चाय गोदाम की तीसरी मंजिल की छत की ढलाई के दौरान अचानक ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे में 3 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि अब तक 18 घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। घटना के बाद सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, कोलकाता पुलिस, अग्निशमन विभाग और कोलकाता नगर निगम की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। मलबे में फंसे सभी श्रमिकों को जल्द बाहर निकालने के लिए गैस कटर, क्रेन, एंबुलेंस और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों की मदद ली जा रही है। घटनास्थल से दबे हुए मजदूरों की आवाजें सुनाई देने की भी सूचना है। बचावकर्मी बाहर से उनके नाम पुकारकर उनकी स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह की जमीन पर उक्त चाय गोदाम का निर्माण किया जा रहा था। छत ढहने के समय बड़ी संख्या में मजदूर वहां कार्यरत थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने 30 से अधिक मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका जताई है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के करीब, मुख्य पहलुओं की हुई समीक्षा

भारत के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते के बेहद करीबः अमेरिकी अधिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं। अब बातचीत टैरिफ से मिलने वाले फायदे, मार्केट तक पहुंच और वॉशिंगटन के अस्थायी 10 फीसदी आयात शुल्क के लिए 24 जुलाई की डेडलाइन पर टिकी है।

भारत और अमेरिका ने नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई दो दिवसीय मंत्री स्तरीय बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के मुख्य मुद्दों की समीक्षा की। इन मुद्दों में बेहतर बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना शामिल है। यह बैठक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के बीच हुई। बातचीत का मुख्य फोकस एक अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के तरीकों पर था, जो एक व्यापक बीटीए की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बैठक में दोनों पक्षों ने 24 फरवरी को अमेरिका द्वारा अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए 10 फीसदी के अस्थायी टैरिफ की समय-सीमा खत्म होने से पहले बातचीत को अंतिम रूप देने पर व्यापक विचार-विमर्श किया। ये टैरिफ 24 जुलाई को खत्म हो जाएंगे। इस समझौते के लिए रूपरेखा इस साल फरवरी में घोषित की गई थी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक आज सुबह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकों का एक दौर पूरा हुआ। गोयल ने कहा कि हमने भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मैं एंबेसडर ग्रीर के नेतृत्व और दोनों टीमों के लगातार प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने हमारी बातचीत को रचनात्मक और भविष्योन्मुखी ढंग से आगे बढ़ाया है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक अमेरिका और भारत एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता 140 करोड़ आबादी वाले भारतीय बाजार को पारस्परिक और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी शर्तों पर अमेरिकी वस्तुओं के लिए खोलेगा।

रिम्स में मेडिकल सीट अलॉटमेंट अनियमितता की जांच तेज, सीआईडी टीम ने खंगाले दस्तावेज

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में मेडिकल सीट अलॉटमेंट और नामांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच अब तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की टीम बुधवार को रिम्स पहुंची और डीन कार्यालय समेत विभिन्न विभागों में उपलब्ध दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच शुरू की। जांच एजेंसी नामांकन प्रक्रिया और टेंडर से जुड़े मामलों में हुई संभावित गड़बड़ियों की पड़ताल कर रही है।

सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले शैक्षणिक सत्र में हुए दाखिलों से संबंधित शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच के दौरान प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड, काउंसलिंग दस्तावेज, आवंटित सीटों का ब्यौरा तथा संबंधित प्रशासनिक फाइलों का अवलोकन किया जा रहा है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन किया गया था या नहीं।

दरअसल, पिछले शैक्षणिक सत्र में रिम्स में हुए कुछ दाखिले को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई थीं। आरोप लगाया गया था कि नियमों की अनदेखी कर कुछ अयोग्य अभ्यर्थियों को दाखिला दिया गया। शिकायतों में प्रवेश प्रक्रिया में पक्षपात, दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया में लापरवाही तथा भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप भी शामिल बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक स्तर पर शिकायतों को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार ने मामले की विस्तृत जांच सीआईडी को सौंप दी थी।

बुधवार को रिम्स पहुंची जांच टीम ने डीन कार्यालय के अलावा प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अन्य विभागों से भी आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों से भी पूछताछ की तथा प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी हासिल की। जांच के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि सीट आवंटन और काउंसलिंग प्रक्रिया में कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि उन्हें मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया के दौरान हुई काउंसलिंग में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। मंत्री के अनुसार उन्हें यह जानकारी प्राप्त हुई थी कि कुछ अभ्यर्थियों द्वारा काउंसलिंग के दौरान फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया की जांच कराने की सिफारिश की थी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि जांच में किसी भी स्तर पर अनियमितता, लापरवाही या भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उधर, सीआईडी अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई तय की जाएगी।

देश में एक जुलाई से वीबी-जी राम जी अधिनियम होगा लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी 01 जुलाई 2026 से विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम- 2025 यानी (वीबीझ्जी राम जी अधिनियम) लागू करने जा रही है। यह अधिनियम हर वित्त वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत गांवों के विकास के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़कर काम किया जाएगा, ताकि विकास कार्य तेजी से

और बेहतर तरीके से पूरे हो सकें। इसी तैयारी के तहत बुधवार को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें 18 मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सरकार की योजना है कि हर गांव अपनी जरूरतों के अनुसार विकास योजना तैयार करें। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के धन और संसाधनों को जोड़कर उन कामों को पूरा किया जाएगा। इसे ह्यएक योजना, कई स्रोतों से फंडह्न मॉडल कहा गया है। नई व्यवस्था के तहत ग्राम सभाएं और पंचायतें विकास की प्राथमिकताएं तय करेंगी। इनमें पानी की उपलब्धता, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं, रोजगार और आजीविका बढ़ाने के काम तथा बाढ़, सूखा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपाय शामिल होंगे।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक सरकार ने ऐसे 318 प्रकार के कार्यों की सूची तैयार की है, जिन पर इस योजना के तहत काम किया जा सकेगा। इनमें जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़कें, सामुदायिक भवन, रोजगार से जुड़े संसाधन और जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले कार्य शामिल हैं।

इस नई व्यवस्था से सरकारी योजनाओं में तालमेल बढ़ेगा, पैसे का बेहतर उपयोग होगा और गांवों में विकास कार्यों को ज्यादा गति मिलेगी। साथ ही पंचायतों की भूमिका भी पहले से अधिक मजबूत होगी।

उल्लेखनीय है कि वीबी- जी राम जी अधिनियम-2025 को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की जगह पर लाया गया है। इस नए अधिनियम को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति ने 21 दिसंबर 2025 को अपनी स्वीकृति प्रदान की थी।

एक जुलाई से यह व्यवस्था पूरे देश में लागू होने के साथ ग्रामीण विकास के लिए एक नए मॉडल की शुरूआत करेगी।

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना साझा लक्ष्य : नड्डा

एजेंसी

देहरादून। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य अब पूरे देश का साझा संकल्प बन चुका है। आज हर नागरिक के सामने एक सामान्य लक्ष्य है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने।

देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि 'सेहत अच्छी होगी तो आर्थिक विकास होगा,क्योंकि इससे उत्पादकता बढ़ेगी। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष ध्यान देना समय की आवश्यकता है।'

उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास की नींव बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था पर टिकी है और स्वस्थ नागरिक ही विकसित भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब देश में 'हम कर सकते हैं और हम करेंगे' की भावना विकसित हुई है, जिसने विकास और सुशासन को नई दिशा दी है।

केंद्रीय मंत्री ने देश की राजनीतिक और सामाजिक सोच में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब आम नागरिकों ने यह मान लिया था कि व्यवस्था में कोई बदलाव संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि लगभग 12-13 वर्ष पहले लोगों के मन में यह धारणा घर कर गई थी कि परिस्थितियां नहीं बदलेंगी, लेकिन पिछले एक दशक में देश की राजनीतिक सोच में व्यापक परिवर्तन आया है।

उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में केंद्र सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के मूल ढांचे में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। उन्होंने कहा कि पहले स्वास्थ्य सेवाओं का फोकस केवल बीमारी के इलाज तक सीमित था, जबकि वर्तमान सरकार ने उपचार आधारित व्यवस्था के साथ-साथ रोकथाम आधारित स्वास्थ्य प्रणाली को प्राथमिकता दी है।

टीएमएच अस्पताल में भर्ती विधायक पूर्णिमा साहू का हाल जानने पहुंचे आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर(पूर्वी) के विधायक पुर्णिमा साहू को सोमवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें जमशेदपुर के टाटा मुख्य अस्पताल (ळटल) में भर्ती कराया गया था। बुधवार को झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने टीएमएच पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से उपचार की विस्तृत जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

बताया जाता है कि सोमवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर विधायक पूर्णिमा साहू को तुरंत टीएमएच में एडमिट कराया गया था। अस्पताल प्रबंधन और वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग कर रही है। टीएमएच के सूत्रों के अनुसार, विधायक की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है और वे पहले के मुकाबले काफी बेहतर महसूस कर रही हैं। डॉक्टरों ने उन्हें अभी कुछ दिन और आराम करने की सलाह दी है।

अस्पताल में मुलाकात के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पूर्णिमा साहू एक कर्मठ और जनप्रिय नेत्री हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर दोबारा अपने क्षेत्र की जनता के बीच लौटें और जनसेवा के कार्यों को गति दें। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने अस्पताल में मौजूद पूर्णिमा साहू के परिजनों से भी बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी टीएमएच पहुंचकर पूर्णिमा साहू का हालचाल लिया था। विधायक के अस्वस्थ होने की सूचना मिलते ही टीएमएच में भाजपा कार्यकताओं का पहुंचना जारी है।

उपायुक्त ने अवैध खनन पर सख्ती का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : सरायकेला-खरसावां जिले में अवैध खनन, खनिजों के अवैध भंडारण और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नीतीश कुमार सिंह ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी भी उपस्थित रहीं।

बैठक में जिले में अवैध खनन की रोकथाम, खनिज परिवहन की निगरानी तथा संबंधित नियमावली के अनुपालन की समीक्षा की गई। जिला खनन पदाधिकारी ने झारखंड मिनरल्स (अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन निवारण) नियमावली तथा झारखंड माइनर मिनरल कन्सेशन (जेएमएमसी) नियमावली में हुए संशोधनों की जानकारी दी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी संबंधित अधिकारियों को इन संशोधनों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के खनन पट्टा क्षेत्रों एवं ईंट भट्ठों का मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है। उपायुक्त ने स्टोन क्रशर इकाइयों और डीलर लाइसेंसधारियों को भी मैपिंग प्रक्रिया में शामिल करने तथा प्रखंडवार सीमांकन को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिन बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां संचालन प्रारंभ करने के लिए ग्राम सभा की स्वीकृति जल्द प्राप्त करने को कहा। साथ ही पाटा टोल प्लाजा से लंबित सीसीटीवी एवं वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

किसानों को मिलेगा बीज और कृषि सुविधाओं का लाभ, विधायक ने किया वितरण केंद्र का उद्घाटन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका प्रखंड अंतर्गत पोटका लैम्प्स में बुधवार को बीज वितरण उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पोटका विधायक संजीव सरदार ने फीता काटकर बीज वितरण केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान, स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लैम्प्स के माध्यम से किसानों को अब खाद, बीज एवं कृषि से जुड़ी अन्य आवश्यक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध होंगी। इससे किसानों को अनावश्यक परेशानी और दूर-दराज के क्षेत्रों का चक्कर लगाने से राहत मिलेगी तथा खेती-किसानी को नई गति मिलेगी। विधायक ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं और लैम्प्स के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है और किसानों की समृद्धि से ही गांव और राज्य का विकास संभव है। उन्होंने क्षेत्र के कृषि विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर बीज, खाद और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। कृषि क्षेत्र जितना मजबूत होगा, गांवों की अर्थव्यवस्था उतनी ही सशक्त होगी और झारखंड विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

कार्यक्रम में लैम्प्स अध्यक्ष पंचानन सरदार, आनंद दास, बबलू मदीना, एकलव्य मदीना, दिनेश सरदार, उत्तम साहू, हरमोहन मंडल, मनिंद्र सहित झामुमो पोटका प्रखंड अध्यक्ष, पार्टी के कई नेता, वरिष्ठ समाजसेवी, किसान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

वज्रपात से दुधारू गाय की मौत, किसान को हुआ भारी नुकसान

बेड़ो(बिभा): प्रखंड क्षेत्र के जारिया पंचायत अंतर्गत कटरमाली सरना टोली गांव में बुधवार को 24 जून 2026 को अपराह्न लगभग 3:00 बजे अचानक तेज बारिश और वज्रपात से घटना में एक दुधारू गाय की मौत हो गई। इस घटना से पशुपालक परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटरमाली सरना टोली निवासी अजय गोप पिता- हरि गोप की दुधारू गाय गांव के समीप चर रही थी। इसी दौरान अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और तेज बारिश के साथ जोरदार वज्रपात हुआ। वज्रपात की चपेट में आने से गाय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृत गाय परिवार की आय का प्रमुख साधन थी। गाय की मौत से परिवार को आर्थिक झटका लगा है। घटना की सूचना मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि प्राकृतिक आपदा से हुए इस नुकसान का आकलन कर पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके।

पारस जलाशय मत्स्य समिति को मिला मोटर बोट, मछुआरों में खुशी

बेड़ो(बिभा)। पारस जलाशय के आदिवासी विस्थापित मत्स्य समिति को मत्स्य पालन कार्य को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मोटर बोट उपलब्ध कराई गई। यह मोटर बोट कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के सौजन्य से समिति को प्रदान की गई। मोटर बोट मिलने पर समिति के सदस्यों में खुशी का माहौल देखा गया। समिति के सदस्यों ने कहा कि जलाशय में मत्स्य पालन, मछलियों की निगरानी तथा विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन के लिए अब काफी सुविधा मिलेगी। इससे मछुआरों को जलाशय के दूरस्थ हिस्सों तक पहुंचने में आसानी होगी, जिससे उनके कार्य की दक्षता बढ़ेगी और आजीविका को भी मजबूती मिलेगी। समिति के सदस्यों ने बताया कि मोटर बोट की सहायता से मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ जलाशय में होने वाली गतिविधियों की निगरानी भी बेहतर ढंग से की जा सकेगी। यह पहल स्थानीय मछुआरों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर मुखिया रमेश उरांव, प्रबला टोप्पो, बीरू उरांव, निमन टोप्पो, अजित टोप्पो, सोमेश्वर उरांव तथा पुनित लकड़ा सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से क्षेत्र के मछुआरों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और मत्स्य व्यवसाय को नई गति मिलेगी।

गैरमजरुआ भूमि पर मंदिर की चहारदीवारी निर्माण को लेकर विवाद पुलिस कर रही जांच

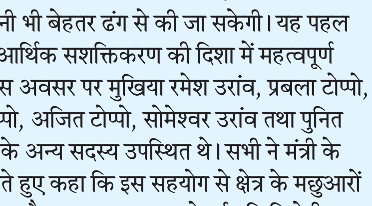

इटकी(बिभा) : इटकी थाना क्षेत्र के ठाकुरगांव मौजा स्थित खोरखा टोली में खाता संख्या 320, प्लॉट संख्या 2212, रकबा 03 डिसमिल गैरमजरुआ भूमि पर स्थित हनुमान मंदिर के लिए चहारदीवारी निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्ष इटकी थाना पहुंचे, जहां कई घंटों तक बातचीत एवं समझौते का प्रयास किया गया।जानकारी के अनुसार, खाता संख्या 320, प्लॉट संख्या 2212 रकबा 03 डिसमिल गैरमजरुआ भूमि पर वर्षों से स्थापित तुलसी पौधा का चबूतरा बना कर पूजा की जाती है इसी जमीन मे चहारदीवारी निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। इसी दौरान स्थानीय ईसाई समाज के लोगों ने निर्माण कार्य का विरोध जताया वहीं दोनों पक्षों के लोग थाना पहुंचे वहीं हिंदू समाज की ओर से पूर्व जमींदार परिवार के वंशज एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, कृष्णा राम तिवारी, अजीत केशरी, कामेश वर्मन, पवन कुम्हार समेत कई लोग उपस्थित थे। वहीं ईसाई समाज की ओर से अनमोल बेक, संदीप करकेट्टा, प्रेम खलखो, अरविंद कच्छप , निशा तिर्की, शांति बेक, पूनम कच्छप एवं निकेतन बेक सहित अन्य लोग मौजूद थे। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि मंदिर की चहारदीवारी बनने से स्थानीय ग्रामीणों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होगी। इसी कारण उन्होंने निर्माण कार्य के लिए अपनी सहमति देने से इनकार कर दिया। दूसरी ओर हिंदू समाज के लोगों का कहना है कि उक्त स्थल पर पिछले लगभग वर्षों से है तथा वहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। मंदिर परिसर की सुरक्षा एवं संरक्षण के उद्देश्य से चहारदीवारी का निर्माण आवश्यक है। सूत्रों के अनुसार, थाना में दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के लिए एक समझौता पत्र भी तैयार किया गया था, लेकिन ईसाई समाज के प्रतिनिधियों ने उस पर हस्ताक्षर नहीं किए और थाना से चले गए। इसके बाद मामला और संवेदनशील हो गया।

शत-प्रतिशत रिजल्ट पर गदगद हुए विधायक संजीव सरदार, प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय की व्यवस्था देख जताई संतुष्टि

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका के विधायक संजीव सरदार ने बुधवार को प्रखंड स्थित प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय, पोटका का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में झारखंड शिक्षा विभाग की ओर से निमार्णाधीन चार कमरों वाले भवन का जायजा लिया तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की। मौके पर मौजूद संवेदक के प्रतिनिधि को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। भवन निरीक्षण के बाद विधायक कक्षा 9 से 12 तक के विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे और छात्राओं से सीधे बातचीत कर शिक्षा व्यवस्था, पढ़ाई की गुणवत्ता तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की पठन-पाठन व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। विधायक ने प्रधानाध्यापक सुधांशु कुमार मंडल से भी विस्तृत चर्चा करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा छात्राओं को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने इस वर्ष मेट्रिक एवं इंटरमीडिएट के तीनों संकायों में विद्यालय द्वारा प्राप्त शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम की सराहना की। उन्होंने छात्राओं और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। विधायक ने छात्राओं को निरंतर मेहनत कर उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने तथा अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के उपरांत विधायक संजीव सरदार ने कहा कि विद्यालय में चल रहा भवन निर्माण कार्य संतोषजनक है, हालांकि कुछ तकनीकी कमियां सामने आई हैं, जिन्हें तत्काल सुधारने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था बेहतर है और छात्राओं को राज्य सरकार की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार बेटियों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और उनका प्रयास है कि पोटका क्षेत्र की छात्राएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों तक पहुंचे तथा समाज और राज्य के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

नारायण प्राइवेट आईटीआई में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

जमशेदपुर(बिभा): नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह चांडिल में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया ।इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. जटाशंकर पांडेय ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री पांडेय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में हुआ था। वे अल्प आयु में ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर कोलकाता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में उन्होंने उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर मौजूद रहे एडवोकेट निखिल कुमार, प्राचार्य जयदीप पांडे शांति राम महतो, प्रकाश महतो, शुभम साहू, शशि भूषण महतो, पवन महतो, कृष्णा पद महतो,गौरव महतो एवं संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डी.ए.वी. विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में नशा मुक्ति अभियान, पोस्टर प्रतियोगिता के जरिए बच्चों ने दिया जागरूकता का संदेश

बिभा संवाददाता

बेड़ो: मादक पदार्थों के बढ़ते दुरुपयोग के खिलाफ समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से डी.ए.वी. विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो में ह्यनशा मुक्ति भारत अभियानह्व के तहत भव्य पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार पोस्टरों में मादक पदार्थों के सेवन से शरीर, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को मार्मिक रूप से दशार्या गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को इसके प्रति जागरूक करने की शपथ भी ली।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक कैलाश कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं और बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति समाज और देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और फिल्मों में दिखाई जाने वाली गलत जीवनशैली से बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। फिल्मों में सिगरेट और शराब का सेवन करने वाले पात्रों को आदर्श मानने के बजाय बच्चों को स्वामी विवेकानंद, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और शहीद भगत सिंह जैसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अधिकांश बच्चे दोस्तों के बहकावे या जिज्ञासावश नशे की शुरूआत करते हैं, लेकिन यही शुरूआत आगे चलकर गंभीर लत का रूप ले सकती है। नशे से बचने का सबसे प्रभावी उपाय मजबूत इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन है।

प्रतियोगिता के परिणामों में श्रेष्ठ कुमार, सौरव केशरी एवं इशांत बाराइक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर सोनू कुमार एवं दिव्यांका साह रहे, जबकि तृतीय स्थान आदर्श कुमार गुप्ता एवं सानिया प्रवीण को मिला। सभी विजेता विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों ने नशा न करने तथा समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बहेरा पंचायत में शिक्षा की नई पहल, भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन के तहत निशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

खलारी/पिपरवार। टंडवा प्रखंड के बहेरा पंचायत में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट द्वारा भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन के अंतर्गत निशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस कोचिंग सेंटर का उद्घाटन बहेरा पंचायत की मुखिया श्रीमती रेखा देवी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। उपस्थित लोगों ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय कदम बताया।इस अवसर पर सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अमित राज पाण्डेय ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि ₹भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन₹ के तहत झारखंड की 4000 से अधिक पंचायतों में वर्ष 2026 के अंत तक निशुल्क कोचिंग संस्थान स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।मुखिया रेखा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज के विकास का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे बहेरा पंचायत के विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल बनेगा।कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शंकर कुमार सिंह, जयदीप चटर्जी, राजकुमार बाबू, संदीप भास्कर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताते हुए इस मिशन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि निशुल्क कोचिंग सेंटर की स्थापना से क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। यह पहल निश्चित रूप से बहेरा पंचायत के बच्चों के शैक्षणिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सीआईएसएफ का कोयला माफियाओं पर बड़ा प्रहार, अवैध खनन और तस्करी के खिलाफ अब होगी आर-पार की कार्रवाई

बिभा संवाददाता

खलारी। एनके और पिपरवार कोयला क्षेत्रों में सक्रिय अवैध खनन माफियाओं, कोयला चोरों और तस्करी नेटवर्क के खिलाफ अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और अधिक सख्ती के साथ कार्रवाई करेगा। खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत मिले नए कानूनी अधिकारों के बाद सीआईएसएफ को अवैध कोयला खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों में अधिक प्रभावी और कानूनी रूप से सशक्त भूमिका प्राप्त हुई है।नए प्रावधानों और सीआईएसएफ द्वारा लागू की गई मानक संचालन प्रक्रिया के तहत अब कोयला चोरी और अवैध खनन में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक मजबूती मिलेगी। इससे कोयला क्षेत्रों में सक्रिय माफियाओं, अवैध परिवहन गिरोहों और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगने की संभावना है।

राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : अमित कुमार

सीआईएसएफ कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि कोयला क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके लिए संयुक्त छापेमारी अभियान, ड्रोन सर्विलांस और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि एमएमडीआर अधिनियम के नए कानूनी प्रावधान लागू होने के बाद ऐसी कार्रवाइयों को और अधिक कानूनी मजबूती मिली है।उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय संपदा की चोरी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अवैध खनन तथा कोयला चोरी में शामिल किसी भी व्यक्ति या गिरोह के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ड्रोन निगरानी और संयुक्त अभियान से बढ़ेगा दबाव

सीआईएसएफ द्वारा आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए कोयला क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है। ड्रोन सर्विलांस, विशेष निगरानी अभियान और स्थानीय प्रशासन के साथ संयुक्त कार्रवाई के जरिए अवैध खनन स्थलों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। नए अधिकार मिलने के बाद अब इन अभियानों की प्रभावशीलता और बढ़ेगी।

कोयला माफियाओं के लिए सख्त संदेश

सीआईएसएफ को मिले नए कानूनी अधिकारों को कोयला क्षेत्रों में अवैध खनन और कोयला चोरी के खिलाफ बड़ी पहल माना जा रहा है। इससे न केवल राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि कोलफील्ड क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था भी और सुदृढ़ होगी। सीआईएसएफ का संदेश साफ है—अवैध खनन, कोयला चोरी और तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति या गिरोह को अब किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

जनता से मांगा सहयोग

कमांडेंट अमित कुमार ने आम नागरिकों और स्थानीय लोगों से अपील की कि वे अवैध कोयला खनन, कोयला चोरी या तस्करी से जुड़ी किसी भी सूचना को प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा करें। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से ही राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

सीआईएसएफ की सतर्कता से डकरा वर्कशॉप में डीजल चोरी की बड़ी वारदात विफल, 40 लीटर डीजल बरामद

बिभा संवाददाता

खलारी। सीआईएसएफ जवानों की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से सीसीएल डकरा वर्कशॉप में डीजल चोरी की एक बड़ी वारदात विफल हो गई। रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि देख जवानों ने तत्काल कार्रवाई की, जिससे डीजल चोरों का एक समूह मौके से फरार हो गया। घटनास्थल से करीब 40 लीटर डीजल से भरा एक गैलन बरामद किया गया है।जानकारी के अनुसार, 23 जून 2026 की रात लगभग 3:30 बजे प्रधान आरक्षक सुधीर कुमार सिंह एवं आरक्षक पी. सतीश डकरा वर्कशॉप परिसर में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। सीआईएसएफ द्वारा क्षेत्र में नियमित गश्त एवं निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान जवानों ने वर्कशॉप परिसर में संदिग्ध गतिविधियां देखीं।जांच करने पर पता चला कि डीजल चोरों का एक समूह सीसीएल के होल पैक संख्या डी60912 से डीजल निकालने का प्रयास कर रहा था। सीआईएसएफ जवानों ने तत्काल चोरों को ललकारा और उनकी ओर बढ़े। जवानों की मुस्तैदी एवं साहसिक कार्रवाई को देखकर चोर अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गए।सीआईएसएफ की तत्परता के कारण चोर चोरी किए गए डीजल को अपने साथ ले जाने में सफल नहीं हो सके।घटनास्थल से लगभग 40 लीटर डीजल से भरा एक गैलन बरामद किया गया, जिसे सुरक्षित कब्जे में ले लिया गया है।आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद सामग्री सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द की जाएगी।घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है।सीआईएसएफ की इस कार्रवाई ने एक बार फिर सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा के प्रति बल की प्रतिबद्धता, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा को साबित किया है। जवानों की मुस्तैदी से एक बड़ी चोरी की घटना को समय रहते विफल कर दिया गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने जीआईएस आधारित शहरी प्रबंधन प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की, पारदर्शी एवं डाटा-आधारित शहरी प्रशासन पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत जुडको द्वारा संचालित जीआईएस आधारित शहरी प्रबंधन प्रणाली परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। यह परियोजना राज्य के 49 शहरी स्थानीय निकायों में आधुनिक, पारदर्शी एवं डेटा-आधारित शहरी प्रशासन विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पायलट परियोजना के रूप में रांची, धनबाद एवं गिरिडीह नगर निगमों का चयन किया गया है। इन तीनों नगर निगम क्षेत्रों में हवाई LiDAR सर्वेक्षण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है तथा डिजिटल मैपिंग, जीआईएस लेयर निर्माण एवं डेटा प्रोसेसिंग का कार्य प्रगति पर है। परियोजना के अंतर्गत जियो-टैगिंग आधारित संपत्ति सर्वेक्षण, शहरी परिसंपत्तियों की विस्तृत मैपिंग, जल निकायों की निगरानी तथा आधुनिक जीआईएस आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से भवनों, सड़कों, स्ट्रीट लाइट, विद्युत पोल, जल स्त्रोतों सहित अन्य शहरी परिसंपत्तियों का सटीक डिजिटल अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बैठक में पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल शहरी नियोजन को वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगी, साथ ही नगर निकायों की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाएगी। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से राजस्व सुदृढ़ीकरण, परिसंपत्ति प्रबंधन तथा नागरिक सुविधाओं में सुधार हेतु जीआईएस प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पायलट परियोजना से प्राप्त अनुभवों का व्यापक विश्लेषण कर राज्य के अन्य नगर निकायों में इस प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से विस्तारित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए।

बैठक में नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, पथ निर्माण विभाग एवं नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार, सूडा के निदेशक सूरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या, चार गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। पुलिस ने अरगोड़ा थाना क्षेत्र से अगवा की गई महिला की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाली महिला सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से घटना में इस्तेमाल की गई फर्जी नंबर प्लेट लगी सफेद रंग की अर्टिगा कार और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। मृतका की पहचान रेखा देवी के रूप में हुई है, जो अरगोड़ा में ठेले पर गुपचुप (गोलगप्पे) बेचकर अपना जीवन-यापन करती थी। अनुसंधान में यह बात सामने आई कि रेखा देवी के पड़ोस में रहने वाली संध्या कुमारी के पति जीवा तिग्गा के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। संध्या कुमारी ने अपने भाई रमेश उरांव और उसके दोस्त कृष्णा दास गोस्वामी, और लखन उरांव के साथ मिलकर रेखा देवी के अपहरण और हत्या की पूरी साजिश रची।

हटिया डीएसपी नीरज ने बुधवार को बताया कि गत 19 जून 2026 को आरोपियों ने अरगोड़ा थाना क्षेत्र से फर्जी नंबर प्लेट लगी सफेद अर्टिगा कार के जरिए रेखा देवी का अपहरण कर लिया। इसके बाद आरोपितों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। 21 जून 2026 को तुपुदाना ओपी के अंतर्गत दसमाईल से तुंजू जाने वाली पक्की सड़क पर सिरी सोहराई पहाड़ के पास पुलिस को एक अज्ञात महिला का शव मिला, जिसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। शव के पास से दुष्कर्म से संबंधित संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद हुईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी में पुलिस ने संध्या कुमारी, रमेश उरांव, कृष्णदास गोस्वामी, लखन उरांव को हथियार और कार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपितों के पास से फर्जी नंबर लगी एक सफेद रंग की अर्टिगा कार, एक देसी पिस्तौल, दो देसी कट्टा, नौ जिंदा कारतूस और चार मोबाइल फोन जब्त किया गया।

निर्जला एकादशी पर आज सजेगा श्री श्याम मंदिर

रांची(बिभा)। श्री श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी के अवसर पर गुरुवार को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से मंदिर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि पश्चिम बंगाल के कारीगर मंदिर सजाने में जुटे हैं। वहीं दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और रायपुर से विशेष फूल मंगाए जा रहे हैं। बाबा श्री श्याम का विशेष श्रृंगार किया जाएगा और सूरत से मंगाए गए नए वस्त्र धारण कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निर्जला एकादशी के अवसर पर मंदिर के पट पूरे दिन श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुले रहेंगे। फल भोग, सवामणी प्रसाद सहित अन्य विशेष भोग अर्पित किए जाएंगे। सवामणी प्रसाद की तैयारी मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़िया के नेतृत्व में की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्रमाण पत्र सुधार के लिए जैक कार्यालय पहुंच रहे हजारों छात्र

रांची(बिभा): झारखंड अकादमिक परिषद (जैक) द्वारा प्रमाण पत्रों में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन लेने की प्रक्रिया 20 जून से शुरू की गई है, जिसकी अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित है। प्रमाण पत्रों में नाम, जन्मतिथि एवं अन्य त्रुटियों के सुधार के लिए राज्यभर से बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक जैक कार्यालय पहुंच रहे हैं। इसके कारण कार्यालय परिसर में प्रतिदिन भारी भीड़ देखी जा रही है। विद्यार्थियों का कहना है कि प्रमाण पत्रों में छोटी-छोटी त्रुटियों के कारण उन्हें बैंक और विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उनका कहना है कि निर्धारित समय बहुत कम है और इतने कम दिनों में पूरे राज्य के विद्यार्थियों के लिए सुधार प्रक्रिया पूरी करना कठिन है। छात्रों ने बताया कि 26 जून को मुहर्रम की छुट्टी, 27 जून को चौथा शनिवार तथा 28 जून को रविवार होने के कारण कार्य दिवस और भी कम हो जाएंगे। ऐसे में राज्य सरकार और जैक को आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने पर विचार करना चाहिए, ताकि सभी विद्यार्थियों को अपने दस्तावेजों में सुधार कराने का अवसर मिल सके। बोकारो के दिलीप रजवार ने बताया कि वे एक दिन पहले भी जैक कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन उनका कार्य पूरा नहीं हो सका। इसके कारण उन्हें दूसरे दिन भी रुकना पड़ा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज उनका काम पूरा हो जाएगा और वे घर लौट सकेंगे। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक समय बैंक में डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) बनवाने में लग रहा है। यदि शुल्क जमा करने की ऑनलाइन व्यवस्था होती तो विद्यार्थियों को लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ता और प्रक्रिया भी अधिक सरल हो जाती।

शहर के बल्क वेस्ट जनरेटरों के लिए एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य: रांची नगर निगम

रांची(बिभा): रांची नगर निगम द्वारा क्षेत्रांतर्गत सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों (बीडब्ल्यूजी) को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम, 2026 के प्रावधानों के आलोक में अब एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया है. नियमों के अनुसार ऐसे सभी प्रतिष्ठान, जिनका बिल्ड अप एरिया 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक है, अथवा प्रतिदिन 40,000 लीटर या उससे अधिक जल की खपत होती है, अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, उन्हें बीडब्ल्यूजी की श्रेणी में रखा गया है. शहर के सभी बीडब्ल्यूजी को पंजीकरण करना अनिवार्य है. पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से बल्क वेस्ट जनरेटरों द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट के प्रबंधन, स्त्रोत पृथक्करण, प्रसंस्करण एवं नियमों के अनुपालन की निगरानी की जाएगी. यह व्यवस्था देशभर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. रांची नगर निगम सभी संबंधित संस्थानों, आवासीय परिसरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, होटल एवं अन्य पात्र इकाइयों से अपील करता है कि वे अविलंब पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराते हुए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम)2026 के सभी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करें. निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है.

सीसीएल में संविदा कार्यों से संबंधित एसओपी पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

रांची(बिभा) : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडी) द्वारा सतर्कता विभाग के तत्वावधान में दिनांक 24 जून, 2026 को ई एंड एम विभाग के संविदा कार्यों से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी)पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ई एंड एम विभाग के संविदा कार्यों में पारदर्शिता, अनुशासन एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर कार्यक्रम के अंतर्गत कुल चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सतर्कता विभाग एवं ई एंड एम विभाग के अधिकारियों द्वारा एसओपी के विभिन्न प्रावधानों, संशोधनों तथा संविदा कार्यों की प्रक्रियाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री ए. के. सिंह, महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री एम.एफ. हक, महाप्रबंधक (एचआरडी) तथा श्रीमती सुचंद्रा सिन्हा, महाप्रबंधक (ई एंड एम) उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने संविदा कार्यों में अनुशासन, पारदर्शिता तथा एसओपी के अनुपालन के महत्व पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह पहल सीसीएल में सुशासन, जवाबदेही एवं कार्यप्रणाली की पारदर्शिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वन्य प्राणियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता, सभी जांच एजेंसियां आपसी समन्वय से काम करें: संजीव कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : वन्यजीव अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से आज वन भवन मुख्यालय, रांची में वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो सेंट्रल रीजन एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के समन्वय समिति की अहम बैठक वन विभाग झारखंड के राज्य मुख्यालय विवेकानंद सभागार में आयोजित की हुई।

बैठक की अध्यक्षता प्रधान मुख्य वन संरक्षक हॉफ झारखंड संजीव कुमार ने ने किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड संजीव कुमार ने इस बैठक के संबंध में बताया कि वन्यजीव अपराधों एवं वन्य जीव तस्करी की रोकथाम के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विभाग द्वारा नोडल अधिकारियों के नामांकन, महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा, ऑनलाइन केस प्रबंधन, वित्तीय जांच, अभियोजन सहायता तथा वन्यजीव अपराधियों के प्रोफाइल अद्यतन करने की आवश्यकता है।

श्री कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वन्यजीव एवं उनके अंगों की अवैध तस्करी को रोकने के लिए हवाई, रेल एवं सड़क मार्गों के साथ-साथ डाकघरों एवं कुरियर सेवाओं के माध्यम से होने वाले अवैध परिवहन पर प्रभावी निगरानी स्थापित की जाए साथ ही, वन्यजीव अपराधों से संबंधित सूचनाओं का समयबद्ध आदान-प्रदान सुनिश्चित करने हेतु एक सुदृढ़ तंत्र विकसित करने पर बल दिया गया।

आईपीएस रुचिका ऋषि एडिशनल डायरेक्टर वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल बोर्ड बी एच क्यू नई दिल्ली ने वन्य प्राणी अपराध पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने वन्य प्राणी की सुरक्षा संरक्षण तस्करी से बचाव आदि पर अपने विचार प्रकट किया। आईपीएस श्रीमती ऋषि वन्य जीव की सुरक्षा कैसे हो इस पर विस्तृत व्याख्यान तथा पीपीटी और स्लाइड के माध्यम से अपने विचार प्रकट किए।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी सह मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक झारखंड राजीव रंजन ने बैठक में अपने संबोधन में कहा कि वन्य प्राणी की सुरक्षा के लिए सभी विभागों को मिलकर समन्वय स्थापित कर कार्य करने की आवश्यकता है उन्होंने बताया कि झारखंड की भौगोलिक परिस्थिति अन्य राज्यों से भिन्न है इस कारण इस पर विशेष कार्य नीति बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा झारखंड का वन्य प्राणी प्रभाग वन्य प्राणी अपराध नियंत्रण के लिए लगातार तत्पर है।

मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी झारखंड श्री एस आर नटेश ने झारखंड वन्य प्राणी अपराध नियंत्रण से संबंधित विस्तृत कार्य योजना का प्रदर्शन पीपीटी तथा स्लाइड के माध्यम से किया।

कांटाटोली में चल रहे अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर को प्रशासन ने किया सील

बिभा संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन ने गुप्त सूचना के आधार पर रांची के कांटाटोली स्थित एक अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापेमारी कर बुधवार को उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान अल्ट्रासाउंड मशीन सहित कई उपकरण और दस्तावेज जब्त किए गए।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत अवैध रूप से संचालित इस अल्ट्रासाउंड केंद्र के खिलाफ कार्रवाई की है। कांटाटोली चौक के निकट गैलेक्सी कॉम्प्लेक्स स्थित सिटी अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया गया।

जिला प्रशासन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सिविल सर्जन डॉ प्रभात रंजन ने बताया कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत अनुमति के बिना अल्ट्रासाउंड केंद्र का संचालन अवैध है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि भ्रूण हत्या और लिंगानुपात असंतुलन को बढ़ावा देने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रशासन को सूचना मिली थी कि केंद्र के संचालक डॉ राजेश कुमार बिना आवश्यक पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन कर रहे हैं। इसके बाद गठित टीम ने केंद्र पर छापेमारी की। कार्रवाई का नेतृत्व अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने किया। इस दौरान मुख्य रूप अल्ट्रासाउंड मशीन, कंप्यूटर सेट, प्रिंटर, एएनसी रजिस्टर, बिल बुक सहित अन्य संबंधित दस्तावेज एवं उपकरण जब्त किए गए। केंद्र को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

छापेमारी टीम में नामित दंडाधिकारी, लोअर बाजार थाना पुलिस, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सिविल सर्जन कार्यालय के प्रतिनिधि सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे।

डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल में साइबर सिक्योरिटी डे का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची। डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल में आज साइबर सिक्योरिटी डे का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड पुलिस सीआईडी के डीएसपी प्रदीप चौधरी ने मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। उनके साथ सीआईडी विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के. शर्मा द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से डिजिटल युग में सतर्क एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया तथा कार्यक्रम में सहभागिता के लिए सीआईडी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया तथा इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए विद्यालय परिवार की सराहना की।

सेमिनार में लगभग 500 विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम की रिकॉर्डेड क्लिप्स एवं जागरूकता सामग्री के माध्यम से लगभग 3000 विद्यार्थियों तक साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर अपराध, डिजिटल सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अपने क्षेत्रों में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं सहकारी संघ : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। सिद्धो-कान्हो कृषि और वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड, रांची की आमसभा वर्ष 2025-26 से संबंधित बैठक उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बुधवार को मोरहाबादी स्थित रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने जिले के अच्छे कार्य करने वालें एमपीसीएस लैंप्स के प्रतिनिधियों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस सम्मान के माध्यम से उन्होंने सहकारी संस्थाओं के उत्कृष्ट योगदान को लेकर प्रोत्साहित किया।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने संघ के आगामी वर्ष के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने, कृषि एवं वनोपज उत्पादकों के हितों की रक्षा करने और जिले में सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उपायुक्त ने बैठक के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा की योग्य मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में जुड़े कोई योग्य मतदाता न छूटे इस पर विशेष ध्यान दें।

उन्होंने सभी सहकारी संघ के सदस्यों और पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

साथ ही उन्होंने जिले में चल रहे नशा जागरूकता अभियान की जानकारी दी। उन्होंने सभी सहकारी संघ के सदस्यों और पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

भजन्त्री ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद करता है। हमें मिलकर नशे के खिलाफ एक मजबूत दीवार खड़ी करनी होगी।

उन्होंने लोगों से विशेष रूप से कहा कि अफीम की खेती करने वालों की सूचना दें। ऐसे लोगों पर जिला प्रशासन सख़्त कार्रवाई करेगा।

बैठक में उपायुक्त ने प्रमुख बिंदु वर्ष 2025-26 के लिए संघ की वार्षिक योजनाओं, बजट और लक्ष्यों पर चर्चा, कृषकों और वनोपज संग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने के लिए रणनीति, सहकारी संस्थाओं में डिजिटलीकरण एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उपाय, पर चर्चा करते हुए कई अहम निर्देश दिए। बैठक में संघ के अन्य पदाधिकारियों, सदस्यों और एमपीसीएस प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे और आगामी वर्ष में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त रांची, संजय भगत, डीएफओ श्रीकांत वर्मा, जिला सहकारिता पदाधिकारी रविंद्र दास, जिला कृषि पदाधिकारी रामशंकर सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रांची, रामगोपाल पांडेय, जिला मत्स्य पदाधिकारी रांची, जिला पशुपालन पदाधिकारी रांची एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच से तनाव को किया जा सकता है नियंत्रित : प्रो नवीन

बिभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) में बुधवार को स्ट्रेस मैनेजमेंट एवं करियर संवर्धन विषय पर एक विशेष व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो नवीन कुमार उपस्थित थे।

अपने व्याख्यान में प्रो नवीन कुमार ने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन के प्रभावी उपायों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच, नियमित अध्ययन और आत्म-अनुशासन के माध्यम से तनाव को सहजता से नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और व्यावसायिक दक्षताओं के विकास पर विशेष ध्यान देने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ अमर कुमार चौधरी ने मुख्य वक्ता प्रो नवीन कुमार को अंग वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के कई शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

कराटे खिलाड़ियों मिला प्रमाण-पत्र

रांची(बिभा)। शोतोकान कराटे-डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में बुधवार को हरमू रोड स्थित जेन कराटे ट्रेनिंग सेंटर में बेल्ट ग्रेडेशन परीक्षा में सफल कराटे खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रमाण-पत्रों का वितरण फेडरेशन के मुख्य कराटे प्रशिक्षक और मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर हंसी मानस सिन्हा ने किया। उन्होंने सफल कराटेकारों को बधाई देते हुए नियमित अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास को खेल जीवन की सफलता का आधार बताया।

सीआरएम-3 मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष जनता मजदूर संघ का जोरदार प्रदर्शन, मांग पत्र सौंपा

बिभा संवाददाता

बोकारो। जनता मजदूर संघ (संबद्ध - हिन्द मजदूर सभा) के बैनर तले बुधवार को सी.आर.एम.-3 के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष मजदूरों एवं ठेका श्रमिकों की ज्वलंत एवं लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से मजदूरों ने अपनी न्यायोचित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुकेश रंजन सिंह ने की तथा संचालन ी गौतम सिंह चौधरी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मजदूर एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे और अपनी मांगों के समर्थन में प्रबंधन के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी की।

सभा को संबोधित करते हुए जनता मजदूर संघ के महामंत्री प्रमोद कुमार देव ने कहा कि सी.आर.एम.-3 की उत्पादन उपलब्धियों में मजदूरों एवं ठेका श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन उनकी कई वर्षों से लंबित मांगों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के हितों की रक्षा करना संघ की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा।

संयुक्त महामंत्री अरुण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि मजदूरों एवं ठेका श्रमिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रबंधन से श्रमिकों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने और लंबित मांगों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

प्रदर्शन के उपरांत संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सी.आर.एम.-3 के मुख्य महाप्रबंधक को मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में 39 माह के एरियर का भुगतान, लंबित वेज रिवीजन का शीघ्र निष्पादन, इंसेंटिव एवं रिवार्ड स्कीम का पुनरीक्षण, ठेका कर्मियों को ग्रेड प्रमोशन, रात्रि एवं वाहन भत्ता, न्यूनतम वेतन की गारंटी, कट मनी पर रोक, बेहतर कैंटीन सुविधा, ठेका कर्मियों की छंटनी पर रोक तथा मोबाइल एवं रिचार्ज भत्ता सहित अन्य महत्वपूर्ण मांगें शामिल हैं। संघ ने प्रबंधन को 15 दिनों के भीतर सकारात्मक पहल करने का समय दिया है। महामंत्री श्री प्रमोद कुमार देव ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित अवधि में मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो जनता मजदूर संघ मजदूरों एवं ठेका श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए चरणबद्ध एवं लोकतांत्रिक आंदोलन चलाने के लिए बाध्य होगा।

भाकपा माले का जोरदार प्रदर्शनः विस्थापितों की 7 सूत्री मांगें लेकर बीएसएल के खिलाफ हल्ला बोल

बिभा संवाददाता

बोकारो : बॉकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के एडीएम बिल्डिंग के पास आज भाकपा माले का जोरदार प्रदर्शन हुआ। नयामोड़ से रैली निकालकर हजारों की संख्या में पुरुष और महिलाएं ढोल-नगाड़ों व गाजा-बाजा के साथ पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। सिटी थाना पुलिस मौके पर तैनात रही।

प्रदर्शन रैली बगल के टूटने गार्डन में जनसभा में तब्दील हो गई, जहाँ भाकपा माले के नेताओं ने मंच से विस्थापितों की समस्याओं और बीएसएल से संबंधी मांगों को उठाया। मौके पर बीएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी को प्रदर्शनकारियों की ओर से 7 सूत्री मांगपत्र सौंपा गया।

भाकपा माले के नेता राजू दुबे ने कहा कि विस्थापित परिवारों ने प्लांट के निर्माण के लिए अपनी जमीन दे दी, बावजूद इसके उन्हें रोजगार व मूलभूत सुविधाएँ नहीं मिल रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एक सप्ताह के अंदर मांगे पूरी नहीं कीं गईं तो पारंपरिक हथियारों और गाजा-बाजा के साथ पुनः सड़क पर आन्दोलन कर प्लांट के सभी प्रवेश द्वार जाम कर दिए जाएँगे।

मुहर्रम को लेकर बोकारो पुलिस मुस्तैद, असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटने को मॉक ड्रिल आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के द्वारा मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके मनाने को लेकर आज बुधवार बालीडीह थाना और माराफारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनडीह चौक पर मॉकड्रिल आयोजित कि गई जिसमें आपतकाल में पुलिस उपद्रवियों से कैसे निपटें। मॉकड्रिल के तहत भीड़-भाड़ जगहों पर जब भीड़ को कैसे काबू पाया जाए, इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने बताया कि आग्रामी पर्व को लेकर मॉकड्रिल आयोजित किया गया। जिसमें सभी जवानों को भी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि आपतकाल में हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तत्पर है मुहर्रम को लेकर मैसेज दिया गया है कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद हैं। असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए हम लोग पूरी तरह से तैयार हैं। सभी जवानों की सतर्कता भी जाँच की गई है, सभी को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। मजिस्ट्रेट और पदाधिकारी, जिले में जितने भी लाइसेंसी जुलूस हैं, सभी की विधिवत तैयारी है, उसका निष्कासन है, पूरी तैयारी हमारी कंप्लीट हो गई है। सभी जगह हम लोग अलर्ट हैं। सोशल मीडिया पर भी हमारी नजर है। मेरा एक ही संदेश है सभी लोगों के लिए, जो असामाजिक तत्व हैं उनके लिए, कि कोई भी बदमाशी करने का कोशिश नहीं करेंगे, नहीं तो हम सख्ती से निपटेंगे, विधिवत अच्छी से कार्रवाई होगी।

साथ ही इस दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबोधित करते हुए कहा कि जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में प्रशासन का पेनिक नजर है हर चौक चौराहों पर मजिस्ट्रेट मौजूद रहेंगे साथ ही पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है।

बस्तेजी में जनजागरण बैठकः छह पंचायतों को पंचायती राज में शामिल कराने की मांग तेज

बिभा संवाददाता

बोकारो : बुधवार को चास प्रखण्ड के बस्तेजी गाँव स्थित स्कूल प्रांगण के सामने एक जनजागरण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मदन किस्कू ने की। ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देते हुए विनोद रॉय व संतोष मुर्मू ने प्रस्तावित छह पंचायतों को जल्द से जल्द पंचायती राज व्यवस्था में शामिल किए जाने का आह्वान किया। बैठक में कहा गया कि बोकारो जिले के चास प्रखण्ड की छह पंचायतें बैद्यमारा, उत्तरी महुआर, दक्षिणी महुआर, महेशपुर, कुंडौरी और पंचौरा अभी तक पंचायती राज व्यवस्था में शामिल नहीं की गई हैं। आगामी 2027 में होने वाले पंचायत चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर अगर समय रहते इन पंचायतों का आधिकारिक अधिसूचना व गजट जारी कर सरकार द्वारा आदेश नहीं दिए गए तो ग्रामीणों की परेशानियाँ और बढ़ जाएँगी। अपने वक्तव्य में संतोष मुर्मू ने चेतावनी देते हुए कहा कि इससे लोगों का जीवन असहनीय हो जाएगा, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो जनजागरण अभियान के तहत उतरी क्षेत्र के ग्रामीण राज भवन तक पैदल मार्च समेत अन्य संवैधानिक कदम उठाएंगे। बैठक में उपस्थित प्रमुख ग्रामीणों में गणेश दे, संतोष सिंह, अरविंद कुमार, मोहन मांझी, विनोद राय, चौहान महतो, हाजी इसहाक अंसारी, इम्तियाज अंसारी, सुरेंद्र महतो, आनंद मांझी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल बोकारो के भास्कर ने कराटे में जीता स्वर्ण पदक

बोकारो(बिभा)। एमजीएम स्कूल बोकारो के दसवीं कक्षा के छात्र भास्कर टंडन ने किट यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर मैं आयोजित जेकेए राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के काता स्पर्द्धा में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर स्वर्ण एवं कुमिते में कांस्य पदक हासिल किया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक है। यह जीवन में आगे बढ़ने की सीख देता है। साथ ही अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। इससे विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। खेलकूद से विद्यार्थियों ने टीम भावना व नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। इसलिए विद्यार्थियों के लिए स्कूल के शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद का बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की देखरेख में विद्यार्थी राज्य व राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर मेडल जीत रहे हैं। यह प्रतियोगिता 6- 7 जून तक संचालित की गई थी। इसमें भास्कर ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण व कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने भास्कर को सम्मानित किया। प्राचार्य फादर डा. जोशी वर्गीस,,उप प्राचार्य रेखा बनर्जी,हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, खेल शिक्षक राजीव सिंह, मीनाक्षी कुमारी,मोहसिन, सौरभ कुमार, वंदना कुमारी, पूनम कुमारी आदि ने भास्कर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेक्टर-9 ए में अवैध कब्जे पर चला बिजली विभाग का डंडा; कनेक्शन काटा, डीजीएम ने की पुष्टि

बोकारो (बिभा): नगर प्रशासन विभाग की टीम ने सेक्टर-9 ए के आवास संख्या 0465 और 0478 पर चल रही अवैध गतिविधियों की जांच के दौरान एक बड़े गैराज से जुड़ा कथित गैरकानूनी बिजली कनेक्शन काट दिया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि उक्त ठिकानों पर 2021 से बिजली मुफ्त दी जा रही थी और वहां कोई वैध अलॉटमेंट या किराये का दस्तावेज मौजूद नहीं था। नगर प्रशासन के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) आर. शेखावत ने घटनास्थल पर पहुंचकर कहा कि जांच में दोनों आवासों के पास बिजली बिलों या भुगतान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला। ₹कई वर्षों से बिजली का कोई भुगतान दिखता ही नहीं है और आधिकारिक अलॉटमेंट रिकॉर्ड में भी यह क्वार्टर दर्ज नहीं है, उन्होंने कहा। शेखावत ने बताया कि विशेष रूप से बड़े गैराज में जो कनेक्शन पाया गया, वह अवैध तरीके से लिया गया था, इसलिए मौके पर उसका कनेक्शन काट दिया गया। नगर प्रशासन की टीम ने बताया कि संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों की कमी और शिकायतों के चलते कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। डीजीएम आर. शेखावत ने कहा, जहाँ भी वैध दस्तावेज नहीं मिलेंगे और नियमों के विरुद्ध उपयोग पाया जाएगा, वहाँ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि दोषियों के विरुद्ध बिलिंग, जुमार्ना और रिकवरी की प्रक्रिया के साथ-साथ संबंधित निदेशों के अनुरूप अन्य कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

मल्लिकार्जुन मिश्रा का दक्षिण एशियाई जंप रोप चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

बोकारो(बिभा)। बोकारो एवं झारखंड के लिए गर्व का विषय है कि मल्लिकार्जुन मिश्रा का चयन दक्षिण एशियाई जंप रोप चैंपियनशिप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु भारतीय टीम में किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 27 जून से 30 जून 2026 तक श्रीलंका में आयोजित होगी। इस चैंपियनशिप का आयोजन साउथ एशियन जंप रोप फेडरेशन द्वारा किया जा रहा है तथा इसकी मेजबानी ऑल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, श्रीलंका द्वारा की जाएगी। प्रतियोगिता में दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेंगे। मल्लिकार्जुन मिश्रा, जो कि बोकारो, झारखंड के निवासी हैं, वर्तमान में एकलव्य स्पोर्ट्स आर्ट एंड कल्चर अकादमी तथा बोकारो जिला जंप रोप संघ के खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, कठोर परिश्रम एवं समर्पण के आधार पर उनका चयन भारतीय टीम में हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुकों को सौंपी गई आवास की चाबी

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास नगर निगम कार्यालय में बुधवार को महापौर भोलू पासवान एवं उप महापौर पूजा कुमारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुकों को उनके आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर महापौर भोलू पासवान ने कहा कि चास नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले ऐसे सभी जरूरतमंद परिवार, जिनके पास अपना पक्का मकान नहीं है, वे योजना के तहत आवेदन कर आवास का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास अपनी जमीन है, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मकान निर्माण कराने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। महापौर ने आगे कहा कि जिन परिवारों के पास स्वयं की जमीन नहीं है, उनके लिए नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र में निर्मित आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पात्र लाभुक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर इन आवासों का लाभ ले सकते हैं। उप महापौर पूजा कुमारी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे योजना की जानकारी प्राप्त कर पात्रता के अनुसार आवेदन करें और अपने पक्के घर का सपना साकार करें।

कार्यक्रम के दौरान लाभुकों ने आवास की चाबी प्राप्त कर खुशी जाहिर की तथा सरकार एवं नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर निगम के पदाधिकारी, कर्मी एवं लाभुक परिवारों के सदस्य उपस्थित थे।

गरगा नदी के अस्तित्व पर खतरा विधायक सरयू राय ने दी चेतावनी

बिभा संवाददाता

बोकारो। प्रदूषण नियंत्रण एवं गरगा नदी के संरक्षण को लेकर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक एवं दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता सरयू राय ने बुधवार को बोकारो दौरे के दौरान नदी का निरीक्षण कर प्रशासन की उदासीनता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने विशेष रूप से पांडे पुल के समीप नदी में हो रहे अतिक्रमण और स्वच्छता की बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान विधायक ने बताया कि पांडे पुल के आसपास अतिक्रमण कर कई भवन निमार्णाधीन हैं, जिससे नदी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है। ₹यह नियमों का घोर उल्लंघन है,₹ उन्होंने कहा और आग्रह किया कि जिला प्रशासन तुरंत सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि यदि समय पर कदम न उठाया गया तो गरगा नदी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

विधायक ने यह भी उल्लेख किया कि इलाके में कोई प्रभावी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित नहीं है। इसके परिणामस्वरूप बहुमंजिला इमारतों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे गरगा नदी में प्रवाहित हो रहा है और नदी के किनारे कचरे का अंबार लगा हुआ है। सरयू राय ने कहा कि गंदा पानी और ठोस कचरा नदी की जैविक विविधता और पानी की गुणवत्ताओं को भारी नुकसान पहुँचा रहे हैं।

दामोदर बचाओ आंदोलन के जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्थानीय समाज के कई लोग भी उपस्थित रहे और अपनी समस्याएँ विधायक को अवगत कराईं। कार्यक्रम में शिवकुमार श्रीवास्तव, ललित सिन्हा, अशोक जगनानी, जदयू के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार, नित्यानंद प्रसाद, अर्चना शर्मा, शंकर स्वर्णकार, विक्रम कुमार, आशीष कुमार समेत अन्य स्थानीय जनता शामिल थे।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि बरसात के समय पानी का बहाव और भी अधिक बाधित होता है, जिससे बाढ़ का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। वे जिला प्रशासन से तत्काल निरीक्षण दल भेजकर अवैध अतिक्रमण हटाने, सीवरेज व्यवस्था के ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत करने और नगर-निगम स्तर पर सफाई अभियान तेज करने की मांग कर रहे हैं। सरयू राय ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने शीघ्र समाधान नहीं निकाला तो दामोदर बचाओ आंदोलन और जनहित समूह इस मुद्दे को उच्च स्तरीय अधिकारियों व कोर्ट तक भी पहुँचाने के लिए आगे बढ़ेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से मिलकर गरगा नदी के संरक्षण के लिए सक्रिय होने का आह्वान किया।

जल, जंगल, जमीन के संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं ने तैयार किया एक्शन प्लान

बिभा संवाददाता

बोकारो। सारथी नेटवर्क बोकारो की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को प्रदान कार्यालय, जैनामोड़ में आयोजित की गई। इस बैठक में बोकारो जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और क्षेत्र के समेकित विकास को लेकर रणनीति बनाई।

बैठन के पांचसूत्रा फाउंडेशन के गुलाबचंद ने कहा कि जिले के 30 चयनित पंचायतों में स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को लेकर तैयार एक्शन प्लान पर अब धरातल पर काम शुरू करने का समय आ गया है।

प्रदान, रांची से आए सौरव दत्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन और जस्ट ट्रांजिशन (न्यायसंगत परिवर्तन) को लेकर किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की। वहीं दिव्यार्थी संस्था के अंजनी कुमार सिन्हा ने बताया कि क्षेत्र में 'अमृत कृषि' का मॉडल पहले ही सफल रहा है।

सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने स्पष्ट किया कि कोयला प्रभावित और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। इसके लिए एक साझा एक्शन प्लान पर काम शुरू हो चुका है।

बैठक के दौरान आगामी तीन महीनों के लिए एक माइक्रो प्लान भी तैयार किया गया, जिसके आधार पर जमीनी गतिविधियां तय की जाएंगी।

इस मौके पर प्रदान संस्था से जुबा प्रीतम गोगई, पीयूषमयी, महिला कल्याण समिति से डॉ. श्याम कुमार भारती, दो कदम संस्था से विजय कुमार, पांचसूत्रा फाउंडेशन से विनोद यादव, सफरोज खान, आकाश गंगा वेलफेयर फाउंडेशन से चुरामन ठाकुर, आशाकिरण से विजय कुमार महतो, और सहयोगिनी से प्रकाश महतो, भूमी झा एवं श्रेया साहनी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्टील अथॉरिटी ने नौसेना को 5,700 टन रक्षा-ग्रेड स्टील की सप्लाई की

बिभा संवाददाता

बोकारोः केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम और महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के तीन नए जहाजों के निर्माण के लिए कुल 5,700 टन विशेष गुणवत्ता वाले डीएमआर249ए ग्रेड हॉट-रोल शीट और प्लेट्स की आपूर्ति अकेले पूरी की है। ये जहाज हैं उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, एंटी-सबमरीन शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय और सर्वेक्षण पोत (लार्ज) आईएनएस संशोधक, जिनका 21 जून को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना में कमिशन किया।

सेल ने यह उच्च-शक्ति रक्षा-ग्रेड स्टील बोकारो, भिलाई और राउरकेला संयंत्रों के माध्यम से सावधानीपूर्वक उत्पादन और आपूर्ति की। कंपनी ने राउरकेला के स्पेशल प्लेट प्लांट में उत्पादन बढ़ाने के उपाय लागू किए हैं ताकि रक्षा क्षेत्र की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा किया जा सके और आयात पर निर्भरता कम हो। सेल के इतिहास में पहले भी आईएनएस विक्रांत और प्रोजेक्ट 17ए के फ्रिगेट्स (नीलगिरि, हिमगिरि, उदयगिरि) के लिए स्टील की आपूर्ति शामिल है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा कि सेल 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' लक्ष्यों के अनुरूप रक्षा स्वरोजगार में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और डीएमआर249ए प्लेटों की आपूर्ति भारत की सामरिक स्वतंत्रता तथा सेल की तकनीकी क्षमताओं का प्रमाण है।

आईटीआई मोड़ के समीप हाईवे पर चला वाहन जांच अभियान

बिभा संवाददाता

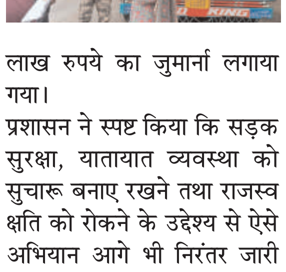

बोकारो। बुधवार को एसडीओ चास श्रीमती प्रांजल ढांडा के निर्देश पर आईटीआई मोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, वैध परिवहन दस्तावेजों एवं अन्य मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की गहन जांच की गई।

जांच के क्रम में कार्यपालक दंडाधिकारी चास श्रीमती जया कुमारी एवं मोटर वाहन निरीक्षक के द्वारा कुल 25 ओवरलोड वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 2.50 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा राजस्व क्षति को रोकने के उद्देश्य से ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। वाहन मालिकों एवं चालकों से निर्धारित मानकों के अनुरूप ही माल परिवहन करने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की अपील की गई है।

जिला समन्वय समिति की बैठक में सभी विभागीय योजनाओं की हुई समीक्षा

कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सामूहिक भागीदारी जरूरी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया।
बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति तथा कार्य निष्पादन में आ रही समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गई।
बैठक में सर्वप्रथम जन शिकायत निवारण से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है तथा शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जनसेतु पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों एवं उन पर की गई कार्रवाई की प्रखंडवार समीक्षा की गई। विभिन्न प्रखंडों में लंबित मामलों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने तथा पोर्टल पर अद्यतन प्रविष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिले में चल रही कल्याणकारी योजनाओं तथा विकास की योजनाओं की समीक्षा के क्रम में आपूर्ति शाखा अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देशित किया कि जन वितरण प्रणाली दुकानों में लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण के समय ही उनका ई-केवाईसी कार्य सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही योग्य लाभुकों का आयुष्मान कार्ड निर्माण भी उसी दौरान कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके लिए प्रज्ञा केंद्र संचालकों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।वहीं कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लंबित मामलों की स्थिति पर चर्चा की गई। विभाग द्वारा बताया गया कि जिले में 12,854 किसानों का ई-केवाईसी , 2,653 किसानों का आधार सीडिंग तथा 191 किसानों का लैंड सीडिंग कार्य लंबित है। इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, बैंक अधिकारियों एवं कृषि विभाग के कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए तथा लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को पूरा करना सुनिश्चित किया जाए।

मुहर्रम पर्व को लेकर हजारीबाग में पुलिस-प्रशासन का फ्लैग मार्च

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में उपायुक्त महोदय एवं पुलिस अधीक्षक महोदय हजारीबाग के नेतृत्व में उउफकंट्रोल रूम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया।
फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने शहर के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील इलाकों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान आम नागरिकों से आपसी भाईचारा बनाए रखने, शांति एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की गई।जिला प्रशासन ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। मुहर्रम पर्व को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है।

झारखण्ड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, पतरातू कार्यालय, रामगढ़ कि अचल संपत्ति कुर्क करने का आदेश

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) - || सह विशेष न्यायाधीश (एल.ए.) शिवेन्दु द्विवेदी की अदालत ने भूमि अधिग्रहण मुआवजा मामले में लगभग 4,75,26,164.00 की बकाया राशि
वसूली हेतु झारखण्ड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, पतरातू कार्यालय, रामगढ़ से संबंधित अचल संपत्ति की कुर्की का आदेश जारी किया है।
यह आदेश 'लैंड रेफरेंस केस संख्या 08/1990 एवं संबंधित 'लैंड एक्विजिशन एग्जीक्यूशन केस संख्या 1/2006 में पारित किया गया। आगे बताते चले कि लैंड एक्विजिशन एग्जीक्यूशन से संबंधित यह वाद लैंड एक्विजिशन एग्जीक्यूशन के मामलों में रामगढ़ न्यायमंडल के सबसे पुराने वादों में से एक है। अदालत के अनुसार वर्ष 2006 में पारित अवार्ड के तहत अवार्डधारकों/याचिकाकताओं को भुगतान किया जाना था, जिसमें मूल मुआवजा राशि और 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज शामिल है। न्यायालय ने कहा कि अब तक कुल 4,75,26,164.00 का भुगतान नहीं किया गया है।
अदालत ने बैलिफ को निर्देश दिया है कि वह झारखण्ड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, पतरातू कार्यालय, रामगढ़ से संबंधित अचल संपत्ति को कुर्क करने के आदेश का तामिला कर प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करें । बैलिफ को वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट 03 जुलाई 2026 तक प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। यह कुर्की वारंट 24 जून 2026 को जारी किया गया।

संक्षिप्त खबरें

नौबतपुर गैंगरेप कांड के विरोध में पत्रकारों ने निकाला कैंडल मार्च

लातेहार(बिभा)। बिहार के पटना नौबतपुर में लातेहार जिले के मनिका की दो युवतियों के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना के विरोध में बुधवार शाम जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर के समीप पत्रकारों ने शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालकर न्याय की मांग की। इस दौरान पत्रकारों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग उठाई।बताया गया कि 18 जून को लातेहार जिले की दो सगी बहनों के साथ बिहार के नौबतपुर में 13 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। 19 जून को मामला स्थानीय थाना पहुंचा, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। हालांकि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं।कैंडल मार्च में वरिष्ठ पत्रकार राजीव मिश्रा, नीरज सिन्हा, रामकुमार मिस्त्री, विवेक कुमार सिंह, संजय प्रजापति, बबलू खान, रूपेश अग्रवाल, राहुल पाण्डेय,संतोष कुमार, निहित कुमार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में पीड़िताओं को न्याय और सभी दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

लंका गांव में अधूरा पुल निर्माण बना ग्रामीणों की परेशानी, पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह ने उपायुक्त से की कार्रवाई की मांग

लातेहार(बिभा) : जिले के मनिका प्रखंड अंतर्गत रांकीकलां पंचायत के लंका गांव में वर्षों से अधूरा पड़ा पुल निर्माण ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। इस संबंध में मनिका के पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह ने उपायुक्त लातेहार को पत्र सौंपकर मामले में शीघ्र हस्तक्षेप करने की मांग की है।पूर्व विधायक ने अपने आवेदन में बताया है कि लंका गांव स्थित विद्यालय के समीप ग्रामीणों की आवाजाही के लिए पहले एक छलका (पुलिया) बना हुआ था। करीब चार वर्ष पूर्व वहां स्थायी सीमेंटेड पुल निर्माण के लिए सरकारी स्वीकृति मिलने के बाद पुराने छलका को तोड़ दिया गया। इसके बाद पुल निर्माण कार्य शुरू तो हुआ, लेकिन पिछले तीन वर्षों से यह कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।उन्होंने कहा कि पुल निर्माण अधूरा रहने के कारण ग्रामीणों को पहले से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में आवागमन की समस्या और गंभीर हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, किसानों एवं आम ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकताओं द्वारा कई बार मनिका प्रखंड कार्यालय और संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन अब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह ने उपायुक्त से मांग की है कि अधूरे पुल निर्माण कार्य को अविलंब पूरा कराया जाए तथा निर्माण में लापरवाही बरतने वाले संवेदक और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो सके।

बालूमाथ में दर्सदनाक सड़क हादसा, कार सवार युवक की मौत, भतीजा गंभीर रूप से घायल

बिभा संवाददाता

लातेहार : बालूमाथ ;स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 22 मुख्य मार्ग पर बुधवार को बालूमाथ के टमटमटोला (पांकी मोड़) के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि मृतक युवक के भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है. जिस कारण आवागमन बाधित हो गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार चतरा जिला मुख्यालय के शहादत चौक (बिंड मोहल्ला) निवासी मो. जुल्फेकार (30 वर्ष), पिता एकराम ड्राइवर अपने भतीजे के साथ कार से रांची से चतरा जा रहे थे. इसी दौरान बालूमाथ थाना क्षेत्र के टमटमटोला (पांकी मोड़) के पास उनकी कार सड़क किनारे खड़े एक हाईवा के पीछे जा टकराई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मो. जुल्फेकार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.हादसे में मृतक का भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया. बताया जा रहा है कि दुर्घटना में उसका एक पैर टूट गया है. प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया है. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए. दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने टमटमटोला के पास सड़क जाम कर दिया और प्रशासन से उचित कार्रवाई तथा सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग कर रहे थे. सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी. सूचना मिलने पर बालूमाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है ,पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया , प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क किनारे खड़े हाईवा के पीछे से कार टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ है . पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है.

गुलमोहर पब्लिक स्कूल हजारीबाग की पूर्व छात्रा डॉ. आयुषी कुमारी की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार गौरवान्वित

हजारीबाग (बिभा): शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखने वाले गुलमोहर पब्लिक स्कूल, हजारीबाग की पूर्व छात्रा डॉ. आयुषी कुमारी ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से चिकित्सा क्षेत्र में सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।डॉ. आयुषी कुमारी (ANMMCH, गया) ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गुलमोहर पब्लिक स्कूल से प्राप्त की। विद्यालय परिवार ने उनकी इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय होती है। डॉ. आयुषी की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है कि निरंतर प्रयास और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

गगन चुम्बी निशानों के साथ हुआ आठवीं तारीख छड़वा मोहर्रम मेला का आगाज

तेरह गावों का भव्य जुलूस पहुंचा छड़वा मैदान और किया खेल का अद्भुत प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

कटकम सांडी (हजारीबाग) : मोहर्रम की आठवीं तारीख को तेरह गावों का जुलूस छड़वा मोहर्रम मैदान पहुंच कर आखाडें का मिलान हुआ । बुधवार को खुटरा, सुलमी, हेदलाग, बलियंद, गदोखर वन गदोखर टु, पबरा, लुपूंग, पिचरी, रोमी, डाड़, सारूगाडु नवादा गांव का जुलूस अपने आखेडें के साथ 12 बजे छड़वा मैदान में प्रवेश किया । अकीदमदों ने पारंपरिक औजारों से खेल का प्रदर्शन किया ।शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस व छड़वा मोहर्रम कमिटी के लोंगो का महत्वपूर्ण योगदान रहा । प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता तथा पेलावल ओपी के थाना प्रभारी बिट्टू रजक ने मेले का जायजा लिया । मौके पर छड़वा मोहर्रम कमिटी के नवनियुक्त अध्यक्ष नौशाद खान उर्फ डिस्को उपाध्यक्ष बाबर अंसारी सचिव कमालउद्दीन इराकी, अजमल अंसारी कोषाध्यक्ष शेख इंतेफाक प्रवक्ता निसार खान संरक्षक अनवारूल हक, अंतू साव, मिस्बाहुल हक, साजिद अली खान, मोहम्मद रब्बानी, आखाड़ाधारियों में मोहम्मद सिराजुद्दीन, कलाम अंसारी, असलम खान, गुलाम शाबिर उर्फ बबलू, इसरैल खान, मोहम्मद रुश्तम, मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद खालिक, मोहम्मद समसुउद्दीन, मोहम्मद मुस्ताक, खातो मिंया के अतिरिक्त समाजसेवी राजा मोहम्मद, फिरोज खान, महबूब अंसारी, जमशेद खान, महमूद अंसारी, शेख शहजाद, अकबर अंसारी, ओबी मल्लिक, इरशाद अंसारी, शेख इम्तियाज, शेख अफताब आलम, नौशाद खान, शेख मुशर्रफ, शेख शाने, महमूद अंसारी, एकराम अंसारी, बरकत अंसारी, वकार अंसारी, वसीम सर, मोहम्मद इस्माइल के अतिरिक्त सैकड़ो गण्यमान्य लोग उपस्थित थे ।

रांची में अधिकारियों से मिले सांसद मनीष जायसवाल, सड़क एवं पेयजल योजनाओं में तेजी लाने की उठाई मांग

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली के संसद भवन परिसर में आयोजित लोकसभा की प्राक्कलन समिति की बैठक से लौटने के बाद बुधवार को रांची में झारखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सड़क निर्माण एवं पेयजल आपूर्ति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।
सांसद मनीष जायसवाल ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से भेंट कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की कई लंबित सड़क परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एनएच-33 हजारीबाग-चतरा पथ से हजारीबाग-बगोदर पथ (बाईपास फेज-2) निर्माण प्रस्ताव पर शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की। साथ ही रामगढ़ के पटेल चौक से बोंगाबार तक लगभग 10 किलोमीटर सड़क को फोरलेन बनाने के प्रस्ताव को सीआरआईएफ योजना के तहत केंद्र सरकार को अनुशंसित करने का आग्रह किया।
इसके अलावा नया मोड़ चौक से गिद्दी दामोदर पुल (हीरक रोड) तक जर्जर सड़क की मरम्मत तथा रामगढ़ जिले के कोठार चौक से गोला तक सड़क को फोरलेन में विकसित करने की आवश्यकता पर भी उन्होंने विशेष वार्ता की।
इसी क्रम में सांसद मनीष जायसवाल ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबू इमरान से मुलाकात कर बरही-चौपारण जलापूर्ति योजना को शीघ्र शुरू कराने की मांग रखी। उन्होंने हजारीबाग एवं रामगढ़ जिलों में जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए कहा कि कई गांवों में अब तक नल कनेक्शन नहीं पहुंचे हैं, जबकि अनेक स्थानों पर नियमित जलापूर्ति भी नहीं हो रही है।
सांसद मनीष जायसवाल ने विभागीय सचिव से योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं एजेंसियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।
मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करने, बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने तथा हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा।

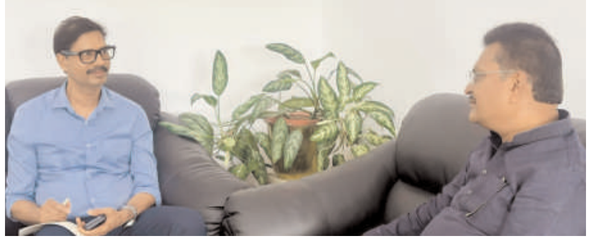

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने परीक्षाओं की बदहाली बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था के गिरते स्तर पर जताई गहरी चिंता

बिभा संवाददाता

लातेहार: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सोनाल शांति ने देश में परीक्षाओं की बदहाली, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था के गिरते स्तर पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोनाल शांति ने लातेहार परिषदन में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से 2024 के बीच देश में लगभग 89 पेपर लीक के मामले सामने आए, जिसके कारण 48 बार दोबारा परीक्षाएं करानी पड़ीं।
सोनाल शांति ने एक अन्य अध्ययन के हवाले से बताया कि महज 5 वर्षों में 15 राज्यों के भीतर 41 पेपर लीक हुए। इससे 1.4 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। उन्होंने कहा कि 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024' में कठोर दंड के प्रावधानों के बावजूद पेपर लीक की घटनाएं नहीं रुक रही हैं, जो यह दशार्ता है कि सिर्फ कानून बनाने से धरातल पर बदलाव नहीं आया है। प्रमुख परीक्षाओं में धांधली और प्रभावित छात्र*सोनाल शांति ने बताया कि केवल चार बड़ी परीक्षाओं में हुई धांधली के कारण 1 करोड़ से ज्यादा छात्र प्रभावित हुए, नीट यूजी 2026 में लगभग 24 लाख अभ्यर्थी प्रभावित, मामला सीबीआई जांच और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।?यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2024 पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परीक्षा रद्द, 48 लाख छात्र प्रभावित। सीटेट 2021 पेपर लीक की वजह से 28 लाख से अधिक उम्मीदवार प्रभावित। यूजीसी नेट 2024 परीक्षा होने के अगले ही दिन रद्द 11 लाख छात्र प्रभावित।
सोनाल शांति ने कहा कि सरकार के आधिकारिक आंकड़े ही उसकी सुस्त कार्यप्रणाली को बयां करते हैं। 1 मार्च 2023 तक केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 9,64,359 पद खाली पड़े थे। वहीं, 1 जुलाई 2024 तक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 84,106 वैकेंसियां थीं। रेल भर्ती का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2004-14 के बीच 4.11 लाख भर्तियां हुई थीं, जबकि 2014-24 के बीच यह आंकड़ा मात्र 5.02 लाख तक ही पहुंच सका, जबकि नौकरी चाहने वाले आवेदकों की संख्या करोड़ों में है। उन्होंने बताया कि 15-29 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर सामान्य स्थिति में 10.2 प्रतिशत और साप्ताहिक आधार पर 13.8 प्रतिशत है। सबसे दुखद यह है कि आज देश में सबसे ज्यादा बेरोजगार वे युवा हैं जो उच्च शिक्षित स्नातक और स्नातकोत्तर हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सिस्टम की इस नाकामी की सबसे दर्दनाक कीमत देश के छात्र अपनी जान देकर चुका रहे हैं। वर्ष 2022 में देश के कुल सुसाइड केसों में 7.6 प्रतिशत यानी लगभग 13,000 छात्र थे। सितंबर 2025 में जारी 2023 की रिपोर्ट में यह आंकड़ा और भी भयावह होकर अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। कोटा, त्रिशूर और चेन्नई जैसे प्रमुख कोचिंग सेंटरों में छात्रों की आत्महत्याओं के क्लस्टर देखे जा रहे हैं जो बेहद चिंताजनक हैं।

विश्वकर्मा समाज का विकास शिक्षा से सम्भव होगा : विकास राणा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की हजारीबाग जिला कमेटी की बैठक परिसदन भवन हजारीबाग में आज दिनाँक 24 जून 2026 को आयोजित की गई ! झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की हजारीबाग जिला कमेटी की बैठक की अध्यक्षता हजारीबाग जिला अध्यक्ष यदु राणा ने किया तथा मंच संचालन जिला महासचिव बृजलाल राणा ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा उपस्थित हुए । बैठक के मुख्य रूप से जिला कमेटी के पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरण, हजारीबाग में जिला सम्मलेन के आयोजन पर चर्चा की गई, हजारीबाग जिला में संगठन की मजबूती पर विचार विमर्श किया गया, हजारीबाग जिले के सभी प्रखण्ड में सदस्यता अभियान चलाने पर विचार विमर्श किया गया एवं हजारीबाग जिला मुख्यालय में विश्वकर्मा भवन निर्माण करने पर चर्चा की गई !
कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि हजारीबाग जिला में सदस्यता अभियान चलाकर समाज के लोगों जोड़ा जायेगा! सभी प्रखण्ड में बैठक कर हजारीबाग जिला मुख्यालय में भव्य रूप से जिला सम्मलेन आयोजित किया जायेगा !

अतीत का आपातकाल अध्याय, बर्तमान मे लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ

विनोद कुमार सिंह

1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?

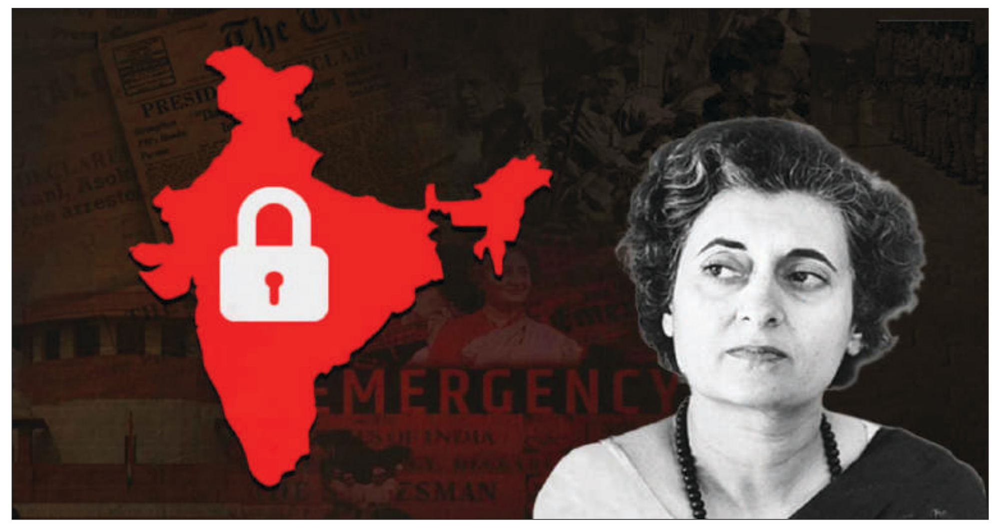

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की वह तिथि है,जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे विवादास्पद और बहुचर्चित राजनीतिक निर्णयों में गिना जाता है।आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सलाह पर देश में आंतरिक आपातकाल लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत घोषित इस आपातकाल ने भारतीय लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रताओं,प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कठोर परीक्षा के दौर से गुजारा। लगभग पाँच दशक बाद भी आपातकाल केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है,बल्कि लोकतंत्र को निरंतर सजग रखने वाली चेतावनी है।उस समय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने,जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे व्यापक जनांदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच आपातकाल लागू किया गया। इसके बाद जो घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद को झकझोर दिया।विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियाँ हुईं,प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई,नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए और सत्ता का अभूतपूर्व केंद्रीकरण देखने को मिला।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों राजनीतिक कार्यकताओं को जेलों में डाल दिया गया।मीसा (MISA) और अन्य कानूनों के तहत व्यापक गिरफ्तारियाँ हुईं।अनेक समाचार- पत्रों को समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी।लोकतंत्र की आत्मा कहे जाने वाले अभिव्यक्ति के अधिकार पर पहरा बैठ गया था।सर्वोच्च न्यायालय का चर्चित एडीएम जबलपुर मामला आज भी भारतीय न्यायिक इतिहास में बहस का विषय है।उस समय न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के दबाव के सामने कमजोर दिखाई दिया, जबकि न्यायमूर्ति एच.आर.खन्ना का असहमति वाला मत लोकतांत्रिक साहस का प्रतीक बन गया।बाद में गठित शाह आयोग ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक दुरुपयोगों की ओर संकेत किया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा कितनी आवश्यक है।किन्तु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि जनता ने अंततः अपना फैसला सुनाया।1977 के आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी।यह केवल सरकार की हार नहीं थी,बल्कि लोकतंत्र की जीत थी।जनता ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता,दल या सरकार के पास नहीं, बल्कि मतदाता के पास होती है। बाद के वर्षों में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने स्वीकार किया कि आपातकाल एक गंभीर राजनीतिक भूल थी।लोकतंत्र केवल दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है,वह सुधार का अवसर भी देता है।यही कारण था कि 1980 में जनता ने पुनः इन्दिरा गांधी को सत्ता में लौटने का अवसर दिया।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का अद्भुत उदाहरण था। *1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?* यही वह बिंदु है,जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है।आज जब देश आपातकाल की वर्षगाँठ को याद करता है,तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या लोकतंत्र की समीक्षा केवल अतीत तक सीमित रहनी चाहिए अथवा वर्तमान की परिस्थितियों का भी उसी कसौटी पर परीक्षण होना चाहिए?क्या आपातकाल की स्मृति केवल राजनीतिक हथियार है या लोकतांत्रिक आत्ममंथन का अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।आधार भूत संरचना का विस्तार,एक्सप्रेस-वे,रेलवे और हवाई अड्डों का विकास,डिजिटल इंडिया अभियान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,जनधन योजना,यूपीआई क्रांति,वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती उपस्थिति, जी-20 की सफल अध्यक्षता और विदेश नीति में संतुलित दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की संतुलित कूटनीति,वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उसकी भूमिका तथा अमेरिका, रूस,यूरोप और पश्चिम एशिया के साथ समानांतर संबंधों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

यह उपलब्धियाँ वास्तविक हैं और इन्हें नकारना वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।किन्तु लोकतंत्र केवल उपलब्धियों से नहीं चलता। लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर भी होता है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है,संस्थाएँ कितनी स्वतंत्र हैं,नागरिक कितने निर्भय हैं और विपक्ष को कितना सम्मान प्राप्त है।यहीं से वर्तमान राजनीतिक बहस आरम्भ होती है।

विपक्षी दल और अनेक राजनीतिक विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि देश में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है।प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं।विपक्ष का आरोप है कि इन एजेंसियों की सक्रियता कई बार राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध अधिक दिखाई देती है।सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है और कहती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में सच्चाई का निर्णय अदालतें और कानून करते हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है।इसी प्रकार चुनाव आयोग को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है।भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का संचालन करता है और उसकी निष्पक्षता लोकतंत्र की आधारशिला है।यदि चुनावी संस्थाओं को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती हैं तो उनका उत्तर केवल राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि अधिक पारदर्शिता और जनविश्वास से दिया जाना चाहिए।लोकतंत्र की असली शक्ति केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनावों पर जनता के भरोसे में निहित होती है।आज देश का युवा एक अलग प्रकार के संकट से जूझ रहा है।करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं,लेकिन पेपर लीक की घटनाएँ बार-बार उनके सपनों और विश्वास दोनों को चोट पहुँचाती हैं।बेरोजगारी का प्रश्न आज भी राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख मुद्दा है। आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के बीच संतुलन की चुनौती अभी भी बनी हुई है।शिक्षा का विस्तार हुआ है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी भी सरकार को देना ही होगा।राजनीति का एक और चिंताजनक पक्ष दल-बदल की बढ़ती संस्कृति है।चुनाव के समय एक विचारधारा और दल के नाम पर वोट माँगना और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए पाला बदल लेना लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,कर्नाटक और अन्य राज्यों की राजनीतिक घटनाओं ने यह बहस तेज की है , क्या जनादेश जनता का रहता है या राजनीतिक प्रबंधन का साधन बन जाता है?दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि लगभग सभी दल सत्ता में रहते हुए दल-बदल का स्वागत करते हैं और विपक्ष में रहते हुए उसका विरोध करते हैं।यही भारतीय राजनीति दलो का वह चाल,चेहरा और चरित्र है जिसे जनता अब समझने लगी है।लोकतंत्र में समस्या केवल सरकार की नहीं होती,विपक्ष की भी होती है।यदि सत्ता आलोचना से असहज होती है तो विपक्ष भी कई बार रचनात्मक राजनीति के बजाय केवल विरोध की राजनीति में उलझ जाता है।लोकतंत्र दोनों पक्षों की जिम्मेदारी से चलता है।सत्ता को जवाबदेह होना पड़ता है और विपक्ष को विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना पड़ता है।धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे भारतीय राजनीति का हिस्सा रहे हैं।राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और उसका ऐतिहासिक महत्व भी है।लोकतंत्र में आस्था के साथ जवाबदेही भी आवश्यक होती है।किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक परियोजना के संबंध में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।इसी प्रकार हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकती है,लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती है।

भारत की वास्तविक चुनौतियाँ रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि, पर्यावरण,सामाजिक न्याय और आर्थिक असमानता हैं।यदि राजनीतिक विमर्श इन मूल प्रश्नों से भटककर केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।सोशल मीडिया के इस युग ने लोकतंत्र को नए अवसर और नई चुनौतियाँ दोनों दी हैं।आज नागरिकों के पास अपनी बात कहने के पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। सरकार की आलोचना भी खुलकर हो रही है और समर्थन भी।इसके साथ ही फेक न्यूज,ट्रोल संस्कृति, दुष्प्रचार और वैचारिक कट्टरता जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।लोकतंत्र को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही नहीं,बल्कि जिम्मेदारअभिव्यक्ति की भी आवश्यकता होती है।2024 के लोकसभा चुनाव ने भी भारतीय लोकतंत्र को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन साथ ही यह भी संकेत दिया कि लोकतंत्र में जनादेश समर्थन और संतुलन दोनों का संदेश देता है।यह परिणाम बताता है कि भारतीय मतदाता न किसी दल का स्थायी समर्थक है और न स्थायी विरोधी।वह समय-समय पर सरकारों को अवसर भी देता है और चेतावनी भी।यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता है।आज की सरकार के लिए इतिहास का संदेश स्पष्ट है। इन्दिरा गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा था, लेकिन जनता ने उन्हें भी सत्ता से बाहर कर दिया था।इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकप्रियता स्थायी है या चुनावी सफलता अंतिम सत्य है। लोकतंत्र में जनसमर्थन निरंतर अर्जित करना पड़ता है।केवल अतीत की गलतियों को याद दिलाकर वर्तमान की चुनौतियों से बचा नहीं जा सकता।यदि बेरोजगारी,शिक्षा,सामाजिक सद्भाव,संस्थागत विश्वसनीयता और पारदर्शिता जैसे प्रश्न उठ रहे हैं तो उनका उत्तर इतिहास नहीं,वर्तमान नीतियों और परिणामों से देना होगा।साथ ही विपक्ष को भी यह समझना होगा कि हर राजनीतिक मतभेद को आपातकाल बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।जनता केवल आलोचना नहीं,विकल्प भी चाहती है।लोकतंत्र भय और आरोपों से नहीं,बल्कि विश्वास और विकल्पों से मजबूत होता है।डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में चेतावनी दी थी कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो,यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा।यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।जितनी संविधान निर्माण के समय थी।भारत का संविधान किसी दल,नेता या सरकार का दस्तावेज नहीं है।यह देश के नागरिकों का लोकतांत्रिक संकल्प है।सरकारें आती हैं,सरकारें जाती हैं; दल बनते हैं,दल टूटते हैं; नारे बदलते हैं,राजनीतिक समीकरण बदलते हैं,लेकिन संविधान और लोकतंत्र की मूल भावना स्थायी रहती है।इतिहास हमें भयभीत करने के लिए नहीं,बल्कि सावधान करने के लिए होता है। 1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

संपादकीय

सुखपुरी के सुख-दुख

आज स्मार्टफोन के बच्चों व किशोरों पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से पूरी वैश्विक बिरादरी फिक्रमंद है। लाइलाज मर्ज बनती इस लत के खिलाफ परंपरागत समाजों व विकासशील देश ही नहीं, बल्कि आस्ट्रेलिया, फ्रांस,ब्रिटेन आदि विकसित देशों में भी एक उम्र के बाद ही स्मार्ट फोन के इस्तेमाल करने के लिए कानून बन रहे हैं। सोशल मीडिया के जनक अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ अदालतों में मोटे मुआवजे वसूले गए हैं। इसी बीच हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव में एक अभिनव पहल हुई है। यूं तो स्मार्टफोन आज आवश्यक बुराई बनते जा रहे हैं, लेकिन सुखपुरी के दुख अलग हैं। गांव की पहचान साइबर क्राइम के हब के रूप में होने लगी है। आये दिन गांव में पुलिस की दस्तक से उन्हें बदनामी महसूस होती है। उनका कहना है कि इस गांव के कुछ युवाओं के साइबर क्राइम में शामिल होने के आरोपों के चलते बाहरी ग्रामीण गांव में रिश्ते करने से कतरा रहे हैं। गांव में पंचायत प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के सामने 55 मोबाइल हैंडसेट पटककर तोड़ दिए। उनका मकसद गांव को साइबर क्राइम हब के दाग से मुक्त कराना था। ग्रामीणों ने जरूरत के लिये बेसिक फोन इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। बताते हैं कि नूंह क्षेत्र के 57 गांवों के लोगों ने भी ऐसी पहल करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी में बड़े-बुजुर्गों के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उनका मानना है कि इस फैसले से उनकी आर्थिक प्रगति बाधित होगी। कई लोग ऐसे हैं जिनकी कमाई पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। उनकी दलील है कि महज कुछ लोगों की गलती की सजा पूरी पीढ़ी को नहीं दी जा सकती। वे ऑनलाइन पढ़ाई व स्कॉलरशिप पोर्टल से कट जाएंगे। वहीं यूपीआई पेमेंट समेत ऑनलाइन भुगतान के तौर-तरीके बाधित होंगे। लेकिन सुखपुरी के लोगों के गांव का नाम साइबर क्राइम से जुड़ने के दुख को भी समझने की जरूरत है। सही मायने में आज जरूरत एक बीच का रास्ता तलाशने की है। ताकि साइबर क्राइम में युवाओं के लिप्त होने से गांव की बदनामी भी न हो, और डिजिटल गतिविधियां भी चलती रहें। निस्संदेह, तकनीक को धोखा देने और गैर-कानूनी फायदा उठाने का जरिया नहीं बनने दिया जाना चाहिए। नियामक एजेंसियों को सामुदायिक नेताओं की मदद से ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना चाहिए, जो अक्सर साइब्रर फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन स्कैम में लिप्त रहते हैं। वाकई आज स्मॉर्ट फोन दुधारी तलवार बन गए हैं। ऐसा जिन्न, जिसमें अच्छाई भी है और बुराई भी। जिसकी वजह से तुरंत पैसा कमाने के फेर में युवा साइबर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। सवाल केवल साइबर अपराधों का ही नहीं है, सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्मों में अश्लील सामग्री का बोलबाला है। जिससे किशोर व युवा पथभ्रष्ट हो रहे हैं। कई तरह की भाषाई विकृतियां सामने आ रही हैं। समय व पैसा बचाने के लिये शादियों के कार्ड व्हाट्स ऐप के जरिये भेजने का प्रचलन तो बढ़ा है, लेकिन इससे विवाह समारोह के आमंत्रण की गरिमा व प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। ये स्पष्ट है कि आज स्मॉर्ट फोन सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा, बैंकिंग,सरकारी सेवाओं, रोजगार के मौके तलाशने व वीडियो कॉलिंग का जरिया भी हैं। ऐसे समय में, जब गांवों में सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिये डिजिटल कनेक्टिविटी अपरिहार्य है, स्मार्टफोनों के उपयोग से युवाओं को पूरी तरह से वंचित नहीं किया जा सकता। डिजिटल दौर में उन युवाओं के भी अलग-थलग पड़ने की आशंकाएं हैं, जिनका भविष्य बचाने के लिये यह पहल की जा रही है।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगीः कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है।

कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है।

जैसे-जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है। देश को अब संवेदना नहीं-व्यवस्था चाहिए, जांच नहीं-जवाबदेही चाहिए और आश्वासन नहीं-ठोस कार्रवाई चाहिए। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद यही प्रश्न गूंजता रहेगा-आखिर कब जागेगा तंत्र?

खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।

खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों-बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

क्यों कहा जाता है फ्भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंडफ्?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे फ्मिनी स्विट्ज़रलैंडफ् की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी
- खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना
- एडवेंचर खेलों का आनंद लेना
- मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा
- आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून – गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर – साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी – बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

कैसे पहुँचे?

निकटतम शहर- डलहौज़ी (लगभग 22 किमी)

रेल मार्ग- पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों — खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

प्रमुख आकर्षण

1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग , घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर – 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)
शिमला मिर्च – 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरी/लाल/पीली कोई भी)
प्याज – 1 (पेटल्स में कटी हुई)
हरी मिर्च – 2 (लंबाई में कटी हुई)
लहसुन – 5-6 कलियां (बारीक कटा हुआ)
अदरक – 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
तले जाने के लिए
कॉर्नफ्लोर – 2 बड़े चम्मच

मैदा – 2 बड़े चम्मच
नमक – स्वाद अनुसार
काली मिर्च – ड्ड छोटा चम्मच
पानी – थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)
तेल – तलने के लिए
सॉस के लिए :
सोया सॉस – 1 बड़ा चम्मच
टमाटो सॉस – 2 बड़े चम्मच
रेड चिली सॉस – 1 बड़ा चम्मच
सिरका – 1 छोटा चम्मच
शक्कर – ड्ड छोटा चम्मच (वैकल्पिक)
नमक – स्वाद अनुसार
चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।
2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।
3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज़ आंच पर 2-3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)
4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।
5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1-2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए। इस चिली पनीर को आप हॉट सर्व करें।

हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास

अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में लोगों को घूमने के साथ ही अच्छी-अच्छी वीडियो और तस्वीरें बनाने का शौक होता है। इसी वजह से लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जहां का नजारा काफी अच्छा हो और वह उनकी वीडियो या तस्वीर में चार चांद लगा सकें। वहीं बारिश के बाद लोगों को घूमना अधिक पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुकूनदायक हो जाता है। ऐसे में अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

गोलकोंडा किला

बारिश के बाद हैदराबाद की असली खूबसूरती को देखने के लिए आप गोलाकोंडा किला जा सकते हैं। यह हैदराबाद में पर्यटकों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह है। यहां पर आपको हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन जब आप बारिश के समय यहां पर आएंगे, तो आपको ज्यादा लोग नहीं मिलेंगे। साथ ही आपको इस दौरान यहां पर खूबसूरत नजारों के साथ वीडियो बनाने के मौका मिलेगा। कपल्स और बच्चों के लिए भी यह एक अच्छी जगह है।

हुसैन सागर झील

यहां का साफ मौसम पर्यटकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन बारिश के मौसम में यहां पर नजारा देखने लायक होता है। जब हुसैन सागर झील में जब पानी की बूंदे गिरती हैं, तो यह अधिक खूबसूरत लगता है। वहीं बारिश के बाद यहां का मौसम बहुत ठंडा हो जाता है। इसलिए अगर आप हैदराबाद घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको हुसैन सागर झील को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मौला अली हिल

हैदराबाद में मौला अली हिल बारिश के मौसम में काफी खूबसूरत हो जाता है। यहां से आपको पूरे हैदराबाद का नजारा बेहद हसीन दिखता है। वहीं सबसे अच्छी बात यह है कि आपको यहां पर ज्यादा भीड़ नहीं मिलेगी।

भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों औऱ ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों औऱ ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने औऱ एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत, 21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

मेरा पैर काट दो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

राम मंदिर चंदा विवाद- भूपेश बघेल का आरोप, गाजी जैसी लूट मचाई जा रही

रायपुर (एजेंसी)। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र पर प्रभु राम के नाम पर जनता को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल की तुलना महमूद गज़नवी से कर कहा कि गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, लेकिन अब ये संगठन राम मंदिर को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता बघेल ने देश में शिक्षा की बदहाली और किसानों की मुश्किलों पर बात की। उन्होंने कहा कि स्कूल बिना सुविधाओं के चल रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में है। किसानों को नकली खाद, खराब मौसम और बढ़ती डीजल-पेट्रोल कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे खेती महंगी हो गई है। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि इस मामले में जैसे-जैसे नई परतें खुल रही हैं, भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों के बड़े गुनाहों की सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने आशंका जाहिर कि इन मामलों को जांच के बजाय दबाने की कोशिश की जाएगी।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खेद

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई हलकों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर पढ़ा था। और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था। ठाकरे ने कहा था कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू में भी दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी।

भरत तिवारी एनकाउंटर- बाबा बागेश्वर ने कहा, जो हुआ सही नहीं हुआ

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया है और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने

सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी। धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर भरत अपराधी था, तब उसे न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच कराने का आग्रह कर कहा कि भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलेंगे। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की है। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर से पहले पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेर सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करी 324 करोड़ 70 लाख रुपये फिक्की को हस्तांतरित किए थे, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर

जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में 83 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल साठ करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को 10 करोड़ रुपये दिए थे। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने ममता के राजनीतिक भविष्य पर टिप्पणी कर कहा कि वह अब कभी सत्ता में नहीं लौटेंगी और उनका राजनीतिक अध्याय समाप्त हुआ है। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर में उनकी हार का जिक्र कर तंज कसा कि जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, क्या जननेता माना जा सकता है?

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के एक अन्य फैसले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन अब इस्कॉन करेगा। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन में अब अंडा शामिल नहीं होगा। इस्कॉन की अन्नमित्र फाउंडेशन के माध्यम से यह योजना लागू की जाएगी और लगभग एक लाख विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस्कॉन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि अंडे के स्थान पर सोया, राजमा, पनीर, दाल, बीन्स और अन्य शाकाहारी प्रोटीन स्रोत भोजन में शामिल किए जाएंगे, जो बच्चों को अंडों से मिलने वाले पोषण के बराबर या उससे अधिक लाभ देने वाले है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि बच्चों से पोषण छीना जा रहा है और उन पर जबरन शाकाहार थोपा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की विविध भोजन पद्धतियों और बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेन्दु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से बदलाव दिखाई देने लगे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है और कट मनी तथा भाइपो टैक्स जैसी अवैध वसूलियों पर पूरी तरह रोक लग चुकी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है तथा विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी खजाने का एक-एक पैसा केवल जनता की भलाई और विकास कार्यों के लिए खर्च होगा।

सीएम मान पर सियासी घेराबंदी : वीडियो विवाद में फर्जी रिपोर्ट का खुलासा

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख गुरुओं के कथित अपमान से जुड़े वीडियो विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने उनके इस्तीफ़े की मांग कर रही है। यह मांग गुरुग्राम पुलिस द्वारा दो लोगों को वीडियो से संबंधित एक फर्जी फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ़्तार करने के बाद सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मूल विवादित वीडियो नकली और एआई-निर्मित था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सीएम मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। उन्होंने कहा कि अकाल तख्त साहिब द्वारा वीडियो को नकली और एआई-निर्मित बताए जाने के बाद, मान ने एक झूठी रिपोर्ट पेश की। चुघ ने उन्हें देशद्रोही घोषित कर सीएम पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार न होने की बात कही। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी मान के इस्तीफ़े और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गुरुग्राम में बैठक कर अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाना अकाल तख्त के गुरु द्रोही करार देने के फ़ैसले की पुष्टि करता है। गुरुग्राम के एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पुष्टि की कि पुलिस ने फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को वीडियो में हेरफेर के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

नीट विवाद: मल्लिकार्जुन खड़गे ने धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना, इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

खड़गे ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य तबाह हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। खड़गे ने कड़े शब्दों में कहा, 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देकर छात्रों की आवाज़ को आतंकवादी बता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहे जाने का भी ज़िक्र किया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को निश्चित रूप से इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक साक्षात्कार में प्रधान ने जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम बताया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

–केरल हाईकोर्ट ने कहा– कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि

–गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

तकनीकी खराबी : एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसकर लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में जा घुसा। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक अथॉरिटी (एटीसी) की चेतावनी के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में लौट आया। अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते विमान को तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और विमान को दिल्ली वापस भेजा गया, जिसके बाद करीब चार घंटे की देरी से वह मंगलवार तड़के अमृतसर पहुंचा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। रात 10 बजकर 30 मिनट पर विमान को अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंच गया। इसके बाद विमान के पायलट को पाकिस्तान एटीसी से मिली चेतावनी के बाद ही इस गलती का एहसास हुआ। इसके तुरंत बाद पायलट ने यू-टर्न लेकर विमान को वापस भारतीय हवाई क्षेत्र में ले आया। हालांकि, तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए ट्रैफिक बढ़ चुका था, जिससे विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। ऐसी स्थिति में, एयरपोर्ट कंट्रोल रूम के निर्देश पर विमान को वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। दो घंटे बाद दुबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और मंगलवार तड़के 2 बजकर 20 मिनट पर, करीब चार घंटे की देरी से, सुरक्षित रूप से अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

महुआ बोलीं- मैं पूरी रात रोई तो सिर्फ शुभेंदु ने दिया मेरा साथ

–महुआ के बयान से ममता की बढ़ी चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय तृणमूल कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह उथल-पुथल मची हुई है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी इन दिनों कई मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के भीतर बागियों की झड़ी लगी है, जहां हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में कुछ नेताओं ने ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से बेदखल करने की घोषणा तक कर दी। ऐसे मुश्किल दौर में, टीएमसी की फायरब्रांड नेता और ममता की सबसे करीबी सांसदों में गिनी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने मुख्यमंत्री की चिंता बढ़ा दी है। महुआ मोइत्रा ने बीते 22 जून को एक इंटरव्यू में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ की है। मौजूदा समय में महुआ और शुभेंदु एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं, ऐसे में उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महुआ ने शुभेंदु को एक अच्छा दोस्त बताया और पुराने दिनों को याद किया जब शुभेंदु ने उनकी मदद की थी। महुआ कहती हैं, शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं। जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया।

उन्होंने याद किया कि जब वह करीमपुर से चुनाव लड़ी थीं, तो सिर्फ शुभेंदु ही उनके लिए प्रचार करने आए थे और उन्हें हर तरह की मदद भेजी थी।

महुआ ने 2014 की घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा का टिकट मिलने वाला था लेकिन नहीं मिला, तब केवल शुभेंदु अधिकारी ही उनके साथ खड़े थे। महुआ ने बताया कि शुभेंदु ने उनसे कहा था, नहीं बहन, मैं हूं न। महुआ इसे भावनात्मक कनेक्शन बताती हैं, हालांकि वह स्वीकार करती हैं कि आज वे अलग-अलग पार्टी में हैं और उनकी बात नहीं होती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुभेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और ममता के कट्टर आलोचक बन गए हैं। शुभेंदु दिसंबर 2020 में टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

महुआ मोइत्रा साल 2016 में पश्चिम बंगाल की करीमपुर विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव लड़ी थीं और उसमें विजयी भी हुई थीं। उस समय शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के एक कद्दावर संगठनकर्ता और नदिया जिले के पार्टी पर्यवेक्षक थे। महुआ उसी दौर की बात कर रही थीं जब संगठन के अन्य नेताओं से पर्याप्त सहयोग न मिलने पर शुभेंदु अधिकारी ने जमीन पर उतरकर उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। इसी तरह, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले जब महुआ मोइत्रा कृष्णानगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं और टिकट मिलने में संशय था, तब वह भावुक हो गई थीं। उस समय भी शुभेंदु ने एक सीनियर सहकर्मी के नाते उन्हें ढांढस बंधाया था। बाद में महुआ को कृष्णानगर से टिकट मिला और वह जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ के इन बयानों को ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी में एकता की कमी महसूस की जा रही है।

सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

–ग्यालशिंग–लेगशिप मार्ग कई जगहों पर ध्वस्त, लगातार बारिश से राहत कार्य प्रभावित

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ग्यालशिंग में 95.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्यालशिंग-लेगशिप हाईवे पर कम से कम तीन स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। इनमें ओमचुंग के पास मुख्य भूस्खलन क्षेत्र, उसके नीचे का हिस्सा तथा लेगशिप के निकट एक अन्य स्थान शामिल है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस मार्ग पर भूस्खलन की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क पश्चिम सिक्किम के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इसी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, यात्री

परिवहन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन होता है। सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्गों के अभाव में जिले का संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते

अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

एक दीवार, दो भाई और एक मौत : जमीन विवाद में बहा खून, बुजुर्ग की जान गई, परिवार अस्पताल पहुंचा

बिभा संवाददाता

राजमहल। जिस जमीन पर कभी दो भाइयों का बराबर हक था, वही जमीन बुधवार को एक परिवार के लिए मातम की वजह बन गई। जयरामडांगा गांव के यादव टोला में पैतृक संपत्ति को लेकर वर्षों से सुलग रहा विवाद अचानक हिंसा में बदल गया। आरोप है कि चहारदीवारी निर्माण का विरोध करने पहुंचे परिवार पर चाचा पक्ष ने कुदाल और लाठियों से हमला कर दिया, जिसमें 70 वर्षीय रुदल यादव की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए।

दीवार खड़ी करने को लेकर भड़का विवाद

ग्रामीणों के अनुसार, रुदल यादव और उनके सगे भाई हरि किशोर यादव के बीच लंबे समय से जमीन का विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह विवादित जमीन पर दीवार निर्माण शुरू हुआ तो रुदल यादव का परिवार उसे रोकने पहुंचा। पहले दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई, लेकिन कुछ ही देर में माहौल हिंसक हो गया।

बुजुर्ग पर बरसे वार, मौके पर तोड़ा दम

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विवाद बढ़ते ही लाठी-डंडों और कुदाल से हमला शुरू हो गया। हमले का सबसे ज्यादा शिकार रुदल यादव बने। गंभीर चोटों के कारण उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उनके गिरते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

पत्नी और बेटों को भी नहीं मिली राहत

पति को बचाने दौड़ी रेखा देवी भी हमलावरों के निशाने पर आ गईं। दोनों बेटों सामदेव और रामदेव यादव को भी पीटा गया। घायल परिजनों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

'जमीन बचाने गए थे, पिता को खो दिया'

घायल रामदेव यादव ने आरोप लगाया कि उनका परिवार केवल अपनी जमीन पर हो रहे निर्माण का विरोध करने गया था। लेकिन वहां पहले से मौजूद लोगों ने अचानक हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि पिता को बचाने की कोशिश में पूरा परिवार हमले का शिकार बन गया।

अस्पताल में पहुंची पुलिस, शुरू हुई कानूनी कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों व परिजनों का बयान दर्ज किया। मृतक के बेटे की शिकायत पर हरि किशोर यादव समेत कई लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

मौत की खबर सुनते ही अस्पताल से गायब हुए आरोपी

मारपीट में आरोपी पक्ष के कुछ लोगों को भी चोटें आई थीं और वे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन जैसे ही उन्हें पता चला कि रुदल यादव की मौत हो गई है और पुलिस अस्पताल में मौजूद है, वे बिना इलाज कराए ही वहां से निकल गए।

गांव में पुलिस तैनात, आरोपियों की तलाश तेज

घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस का दावा है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जमीन के एक छोटे से टुकड़े पर शुरू हुआ विवाद आखिरकार एक बुजुर्ग की जान ले गया। अब गांव में चर्चा सिर्फ जमीन की नहीं, बल्कि टूटते रिश्तों और खून से रंगे पारिवारिक विवाद की है। इधर घटना कि सुचना मिलते ही राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी दल बल के साथ पहुंच कर घटना कि जानकारी लिया।

चार असफल प्रयासों के बाद मिली कामयाबी, पुलिस अधिकारी के बेटे सारंग बने राजस्व अधिकारी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। दृढ़ संकल्प और लगातार मेहनत से बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल की जा सकती है। इसका उदाहरण पेश किया है साहेबगंज जिले में पदस्थापित झारखंड पुलिस के सब- इंस्पेक्टर शिशिर कुमार यादव के पुत्र सारंग सुमन ने। सारंग ने 70 वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में 839 वीं रैंक हासिल कर राजस्व अधिकारी पद पर चयनित होकर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। सारंग की सफलता की कहानी संघर्ष और धैर्य से भरी है। वर्ष 2021 में बीपीएससी की तैयारी शुरू करने वाले सारंग को यह उपलब्धि एक-दो नहीं, बल्कि चार प्रयासों के बाद मिली। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने गांव में रहकर सेल्फ स्टडी और ऑनलाइन माध्यमों से तैयारी जारी रखी। कई बार असफलता मिलने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अंततः सफलता उनके कदम चूम गई। सारंग के पिता शिशिर कुमार यादव वर्तमान में साहेबगंज जिले में झारखंड पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। परिवार की प्रेरणा और अपनी मेहनत के बल पर सारंग ने यह मुकाम हासिल किया। मूल रूप से किसनदासपुर निवासी यादव परिवार के लिए यह उपलब्धि गर्व का विषय बन गई है। सारंग की सफलता से क्षेत्र के युवाओं में भी नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उनका मानना है कि सही रणनीति, निरंतर अध्ययन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। क्षेत्र के लोगों ने सारंग को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

विधायक के पहल से दो दिन में पश्चिमी प्राणपुर में लगा नया ट्रांसफार्मर, लोगों में खुशी

बिभा संवाददाता

उधवा। राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा के पहल से बिजली विभाग के द्वारा उधवा प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के तोफाजुल टोला में बुधवार को नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। नया ट्रांसफार्मर के चालू होते ही इलाकें में पुनः बिजली आपूर्ति बहाल हो गई। जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उधवा प्रखंड के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के तोफाजुल टोला में बीते दो दिन पूर्व अचानक ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। जिससे गांव में अंधेरा छा गया था। साथ ही ग्रामीण उमस भरी गर्मी में रहने को मजबूर हो गए थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना क्षेत्रीय विधायक एमटी राजा को दिया। इस पर विधायक ने तुरंत संज्ञान में लेते हुए बिजली विभाग को उक्त गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया। वहीं बिजली विभाग ने तोफाजुल टोला में नया ट्रांसफार्मर लगा दिया है। वहीं ग्रामीणों ने विधायक का आभार जताया है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अब्दुल हन्नान सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मनरेगा योजनाओं की समीक्षा बैठक, बीडीओ ने दिए एक सप्ताह में प्रगति के निर्देश

राजमहल(बिभा)। प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ की अध्यक्षता में बुधवार को राजमहल प्रखंड सभागार कक्ष में मनरेगा योजनाओं की गहन समीक्षा वही बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में हड़ताल समाप्त कर लौटे ग्राम रोजगार सेवकों को सख्त निर्देश दिए गए कि सभी लंबित बिंदुओं पर एक सप्ताह के भीतर ठोस प्रगति सुनिश्चित की जाए। वही बीडीओ ने पंचायत-वार समीक्षा करते हुए मानव दिवस सृजन, योजना पूर्णता का प्रतिशत, जियो-टैगिंग की स्थिति और जलदूत ऐप पर कार्य की गति को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। बैठक में बीपीओ श्वेता, गगन बापू, सहायक अभियंता विकास कुमार, कनीय अभियंता बिनोद कुमार, मो. एहसानुल जमील, दीप नारायण मंडल सहित सभी ग्राम रोजगार सेवक और कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहे।

एसआईआर को लेकर बीएलए-2 का प्रशिक्षण, मतदाता सूची सुधार पर दिया गया जोर

तालझारी(बिभा) । विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर बुधवार को तालझारी प्रखंड सभागार में बीएलए-2 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण भी किया गया। वहीं प्रशिक्षण के दौरान सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने मतदाता सूची के शुद्धीकरण और अद्यतन कार्य में बीएलए-2 की भूमिका को अहम बताते हुए सभी से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। इस अवसर पर मतदाता सूची पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटि सुधार, नाम विलोपन तथा गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बीएलओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य को पूरी सावधानी और त्रुटिरहित तरीके से करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में नोडल पदाधिकारी नवीन कुमार, संगीता कुमारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

समाजसेवी युवाओं के अथक प्रयास से लगा नया ट्रांसफार्मर, लोगों में खुशी

राधानगर (बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी बेगमगंज स्थित मदरसा मोड़ में लंबे समय से विद्युत आपूर्ति की समस्या से जूझ रहे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। जानकारी के अनुसार स्थानीय ग्रामीणों ने बिजली की समस्याओं को लेकर समाजसेवी को अवगत कराया था। वहीं समाजसेवी युवा यूसुफ शेख,अजीजुर इस्लाम एवं अन्य के द्वारा बिजली विभाग से 63 केवीए क्षमता का नया विद्युत ट्रांसफॉर्मर स्थापित कराने की मांग किया था। इस क्रम में बुधवार को बिजली विभाग के द्वारा नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया है। इससे क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को भीषण गर्मी से निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा तथा बार-बार होने वाली बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। इस संबंध में यूसुफ शेख ने बताया कि इस महत्वपूर्ण जनहित कार्य को सफल बनाने में बिजली विभाग के कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार तथा एसीडीआर नथरंजन का विशेष योगदान एवं सहयोग रहा। जिसके लिए स्थानीय ग्रामीणों की ओर से उनका आभार व्यक्त किया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि नया ट्रांसफॉर्मर क्षेत्र के विकास एवं जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साहेबगंज के युवाओं को मिली नई कमान, छात्र राजनीति से संगठन नेतृत्व तक पहुंची नई टीम

साहेबगंज(बिभा) । कोडरमा से लौटे साहेबगंज के कार्यकताओं के लिए यह सिर्फ एक अभ्यास वर्ग नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों और नए विश्वास की सौगात लेकर आया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (अभाविप) के चार दिवसीय झारखंड प्रांत अभ्यास वर्ग के समापन पर जब नई जिम्मेदारियों की घोषणा हुई, तो साहेबगंज जिले के कई युवा कार्यकताओं के नाम संगठन की नई टीम में प्रमुखता से शामिल किए गए। सबसे अधिक चर्चा बोरियो के संजय दादा को मिली नई जिम्मेदारी की रही। वर्षों तक जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने वाले संजय दादा अब साहिबगंज विभाग के विभाग संयोजक की भूमिका में नजर आएंगे। नगर स्तर से शुरू हुआ उनका सफर अब विभागीय नेतृत्व तक पहुंच गया है। वर्ष 2016 से विद्यार्थी परिषद् के साथ सक्रिय रहे संजय दादा ने नगर सह मंत्री, नगर मंत्री, जिला सह संयोजक और जिला संयोजक जैसे दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन में अपनी अलग पहचान बनाई है। सिर्फ संजय दादा ही नहीं, बल्कि जिले की युवा शक्ति को भी इस बार विशेष प्रतिनिधित्व मिला है। तलझारी की लक्ष्मी कुमारी को विभाग छात्रा प्रमुख की जिम्मेदारी देकर परिषद् ने छात्राओं की भागीदारी को और मजबूत करने का संकेत दिया है। वहीं, शिक्षाविद् प्रो. चंद्रशेखर प्रमाणिक को जिला प्रमुख और राजमहल के कविंद्र पासवान को जिला संयोजक का दायित्व सौंपा गया है।

एसआईआर अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से बीएलए - 2 को दिया गया प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में बुधवार को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से बीएलए-2 को प्रशिक्षण दिया गया। जानकारी के अनुसार दो पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। इस दौरान निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि यह विशेष अभियान लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने बीएलए की भूमिका को स्पष्ट करते हुए बताया कि घर-घर जाकर होने वाले सघन सत्यापन (एसआईआर) के दौरान बीएलए को बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर कार्य करना है। बीएलए की प्रमुख जिम्मेदारी इन्यूमरेशन फॉर्म का सुचारू वितरण एवं सही ढंग से संकलन सुनिश्चित करना होगी। कहा कि हमारा मूल लक्ष्य है कि इस पुनरीक्षण में एक भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और न ही कोई अपात्र या गलत व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल हो। मौके पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, प्रखंड निर्वाचन नोडल उदय कुमार, बाबूधन हेंब्रम, बीएलए-2 काजू मल्लिक, आलमगीर बादल, जहांगीर अली, एखलाकुर रहमान, हफीजुर रहमान, वहीदुल इस्लाम, गौतम यादव, धनंजय मंडल, पिंटू घोष, कुंदन राज, राहुल भगत, सुनील प्रमाणिक, हीरामन पासवान, बबलू मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

हत्या के मामले में इंसान शेख को उम्रकैद, अदालत ने लगाया 50 हजार रुपये का जुर्माना

बिभा संवाददाता

राजमहल । हत्या के एक चर्चित मामले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम राजमहल की अदालत ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए दोषी इंसान शेख को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश वैशाली श्रीवास्तव की अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुमार्ने की राशि जमा नहीं करने पर उसे छह माह की अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतनी होगी। मामला साहेबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र स्थित सकीम अमानत फरजूल हाजी टोला निवासी इंसान शेख से जुड़ा है, जो सत्तार शेख का पुत्र है। इस मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपों को सिद्ध करने के लिए कुल नौ गवाहों को न्यायालय में पेश किया।

गवाहों के बयान एवं प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने अभियुक्त को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। न्यायालय ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल रहा है। वहीं फैसला सुनाए जाने के बाद पीड़ित पक्ष ने न्यायपालिका पर विश्वास जताते हुए संतोष व्यक्त किया। वहीं, क्षेत्र में इस निर्णय को अपराधियों के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे फैसले कानून व्यवस्था में लोगों का भरोसा मजबूत करते हैं।

शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई यूजी सेमेस्टर-6 की परीक्षा, पहले दिन 107 परीक्षार्थी हुए शामिल

बिभा संवाददाता

राजमहल। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के अंतर्गत आयोजित यूजी सेमेस्टर-6 (सत्र 2022-26) परीक्षा 2025 का बुधवार को मॉडल कॉलेज राजमहल परीक्षा केंद्र पर विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण, अनुशासित और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई।पहली पाली में लगभग शत-प्रतिशत रही उपस्थिति परीक्षा के पहले दिन प्रथम पाली में कुल 108 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 107 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए, जबकि केवल एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। वहीं द्वितीय पाली में 195 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

केंद्र पर परीक्षा निर्धारित समय के अनुसार विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के तहत संचालित की गई।

प्राचार्य ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

परीक्षा शुरू होने से पहले प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और पंखों सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया, ताकि गर्मी के बीच परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम 15 मिनट पहले केंद्र पहुंचने की सलाह दी। साथ ही मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और किसी भी प्रकार की नकल सामग्री के उपयोग से दूर रहने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा नियमों के उल्लंघन पर विश्वविद्यालय के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निष्पक्ष परीक्षा को बताया सामूहिक जिम्मेदारी

साथ ही डॉ. सिंह ने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और शिक्षकों की भी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने परीक्षा संचालन में लगे शिक्षकों, वीक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और अन्य सहयोगी कर्मियों के योगदान की सराहना की। वहीं परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। इसके चलते पूरे दिन परीक्षा केंद्र का माहौल व्यवस्थित और शांतिपूर्ण बना रहा। पहले दिन की सफल शुरूआत के साथ मॉडल कॉलेज राजमहल में यूजी सेमेस्टर-6 परीक्षा का आगाज हुआ। अब आगामी दिनों में भी इसी अनुशासन और पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराने की तैयारी की गई है।

स्थायी लोक अदालतः सांविधिक प्रक्रिया, सुलहकारी अधिदेश एवं न्यायनिर्णयन शक्तियों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में इंडियन बैंक साहेबगंज के परिसर में ₹स्थायी लोक अदालत की सांविधिक प्रक्रिया, सुलहकारी अधिदेश एवं न्यायनिर्णयन शक्तियाँ₹ विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम का उद्देश्य स्थायी लोक अदालत की भूमिका, अधिकारिता एवं लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित वाद-पूर्व मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के संबंध में विभागों तथा संबंधित हितधारकों को जागरूक करना था। इस अवसर पर स्थायी लोक अदालत, साहेबगंज के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम,1987 के अंतर्गत स्थायी लोक अदालत को लोक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों के समाधान के लिए विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी लोक अदालत का उद्देश्य आम लोगों को सरल, सुलभ, त्वरित एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराना तथा न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करना है। साथ ही अध्यक्ष श्री मिश्रा ने स्थायी लोक अदालत में मामलों के संदर्भण, सुलह प्रक्रिया तथा सुलह विफल होने की स्थिति में विवादों के गुण-दोष के आधार पर निर्णय देने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी विभागों एवं सेवा प्रदाताओं से अधिकाधिक वाद-पूर्व मामलों का निस्तारण स्थायी लोक अदालत के माध्यम से कराने की अपील की।वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि नियमित लोक अदालत मुख्य रूप से सुलह एवं समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण करती है, जबकि स्थायी लोक अदालत को सुलह असफल होने पर विवाद का निर्णय करने की वैधानिक शक्ति प्राप्त है। उन्होंने बताया कि स्थायी लोक अदालत के निर्णय अंतिम एवं पक्षकारों पर बाध्यकारी होते हैं। वहीं कार्यक्रम के दौरान बैंकिंग, बीमा, विद्युत, दूरसंचार, परिवहन, नगर निकाय एवं अन्य लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित मामलों को स्थायी लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, संबंधित विधिक प्रावधानों एवं विभागीय समन्वय के महत्व पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को अधिकाधिक मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत की सेवाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्थायी लोक अदालत के सदस्य शिवशंकर दुबे एवं आलोक रंजन वर्मा, बैंक सहित विभिन्न लोक उपयोगिता सेवा विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजमहल में बीएलए प्रशिक्षणः मतदाता सूची सुधार में शत-प्रतिशत सटीकता पर जोर

बिभा संवाददाता

राजमहल। आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को राजमहल प्रखंड सभागार में बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ मो. यूसुफ ने की। इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के सभी बीएलए मौजूद रहे। वहीं प्रशिक्षण में बीडीओ मो. यूसुफ ने कहा कि यह अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बीएलए और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को आपसी समन्वय के साथ घर-घर सत्यापन कार्य करना होगा, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह सटीक और अद्यतन रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण और संकलन में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं होनी चाहिए। ह्लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति शामिल न हो,ह्व उन्होंने सख्ती से कहा। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने भी अभियान को त्रुटिरहित और सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पंचायत राज पदाधिकारी सूर्यनारायण चौधरी, बीपीओ गगन बापू, विजय कुमार, अनिसुर रहमान, दीपक चंद्रवंशी, मो. मुर्शीद राजा, अजय चौधरी, देवेन ठाकुर, चंदन श्रीवास्तव, मो. सफीक सहित कई प्रखंडकर्मी एवं बीएलए मौजूद थे।

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद बोले रोनाल्डो- वी आर बैक...

हुआस्टन, एजेंसी। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद 'वी आर बैक', यानी हम वापस आ गए कहा। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और दो गोल किए जिससे पुर्तगाल ने ग्रुप के मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 5-0 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल ने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है।

मैच में चमके रोनाल्डो

रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, जिसका दबाव उन पर दिख रहा था। रोनाल्डो ने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले छठे मिनट में गोल किया और फिर पहला हाफ खत्म होने से 39वें मिनट में दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो इन दो गोल की मदद से पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं रोनाल्डो छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

जीत के बाद गदगद हुए रोनाल्डो

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जैसे ही पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो खुशी से झूम उठे। रोनाल्डो दर्शक दीर्घा के पास जाकर कुछ बोलते सुनाई दिए। उन्होंने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल लिखा, 'वी आर बैक।' फोटो में वह अपनी सिग्नेचर स्टाइल में खड़े नजर आए। रोनाल्डो और पुर्तगाल के लिए यह जीत काफी अहम है क्योंकि टीम के लिए फीफा विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल पूरे दम में नजर आई और एकतरफा अंदाज में मैच जीता।

पुर्तगाल ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। पुर्तगाल ने पिछले मैच में ड्रॉ खेला था, लेकिन टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम के लिए रोनाल्डो ने दमदार प्रदर्शन किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद 'आई एम बैक', यानी मैं वापस आ गया हूं कहा। रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, लेकिन इस मैच में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उज्बेकिस्तान की टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नूनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने एक-एक गोल किए। वहीं, उज्बेकिस्तान के नेमातोव ने आत्मघाती गोल किया।इसके साथ ही पुर्तगाल ग्रुप के में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है। पुर्तगाल के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रा से चार अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर कोलंबिया है जो एक मैच में एक जीत के साथ तीन अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कोंगो डीआर एक अंक के साथ तीसरे और उज्बेकिस्तान दो मैच में दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

उज्बेक खिलाड़ी ने किया आत्मघाती गोल

दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव ने आत्मघाती गोल किया जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। दरअसल, पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडिस ने कॉर्नर पर किक मारा और गोल पोस्ट के पास खड़े खुसानोव के कंधे से लगते ही गेंद गोल पोस्ट को पार कर गई। इसके बाद पुर्तगाल ने पांचवां गोल कर उज्बेकिस्तान के खिलाफ बढ़त को बेहद मजबूत कर लिया। पुर्तगाल के लिए पांचवां गोल राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में किया। उज्बेकिस्तान की टीम अंत तक मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी।

लियोनल मेसी: 39 के हुए फुटबॉल के जादूगर!

संन्यास लिया...वापसी की और फिर दुनिया जीत ली

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस कभी खत्म नहीं होती, लेकिन जब आंकड़ों, उपलब्धियों और मैदान पर जादू की बात आती है तो लियोनल मेसी का नाम सबसे आगे दिखाई देता है। 24 जून 1987 को अर्जेंटीना के रोसारियो शहर में जन्मे मेसी आज 39 साल के हो गए हैं। उनका यह जन्मदिन इसलिए भी खास है क्योंकि वह फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। मेसी ने विश्वकप में ओवरऑल मिरोस्लाव क्लोज के सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड तोड़ा और फिलहाल पांच गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष गोल स्कोरर बने हुए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया एक बार फिर उस खिलाड़ी का जश्न मना रही है जिसने अपने करियर में लगभग हर सपना पूरा किया।

बार्सिलोना में शुरू हुआ स्वर्णिम युग

बार्सिलोना पहुंचने के बाद मेसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले डेढ़ दशक तक उन्होंने क्लब फुटबॉल पर लगभग एकछत्र राज किया। बार्सिलोना के लिए उन्होंने 778 मैचों में 672 गोल किए और क्लब के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर बने। उनके नेतृत्व में बार्सिलोना ने 10 ला लीगा, 4 यूईएफए चैंपियंस लीग, 7 कोपा डेल रे और कई अन्य ट्रॉफियां जीतीं। साल 2012 उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 91 गोल दागकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

बीमारी से जंग, फिर दुनिया पर राज

आज जिस खिलाड़ी को दुनिया फुटबॉल का भगवान कहती है, उसका बचपन संघर्षों से भरा था। महज 11 साल की उम्र में मेसी को ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी नामक बीमारी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उनका शारीरिक विकास रुक गया था और इलाज बेहद महंगा था।उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि लगातार इलाज का खर्च उठा सके। तभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और इलाज का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। कहा जाता है कि मेसी का पहला अनुबंध एक नैपकिन पेपर पर लिखा गया था। वही नैपकिन आगे चलकर फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल हो गई।

आलोचनाओं से टूटे, संन्यास लेकर दुनिया को चौंकाया

मेसी के करियर का सबसे भावुक पल 2016 में आया। अर्जेंटीना लगातार बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था और कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ पेनाल्टी चूकने के बाद मेसी बुरी तरह टूट गए। मैच के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। यह खबर सुनकर अर्जेंटीना ही नहीं, पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रशंसक स्तब्ध रह गए। आलोचकों का मानना था कि मेसी दबाव में बड़े खिताब नहीं जिता सकते। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।अर्जेंटीना की जनता, पूर्व खिलाड़ियों और देशभर से उठी भावनात्मक अपीलों के बाद मेसी ने अपना फैसला बदला और राष्ट्रीय टीम में लौट आए। इसके बाद उन्होंने वह कर दिखाया जिसका इंतजार करोड़ों अर्जेंटीनी वर्षों से कर रहे थे। 2021 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका जिताकर उन्होंने 28 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। इसके बाद 2022 में फाइनलिसिमा और फिर विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी कमी भी पूरी कर ली। उनकी वापसी फुटबॉल इतिहास की सबसे सफल वापसी में गिनी जाती है।

एशियन गेम्स से बाहर होने पर मनिका ने उठाए सवाल

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए
कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद लगातार चर्चा में हैं। चयन को लेकर उठे विवाद के बीच मनिका ने एक बार फिर अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वह किसी विशेष रियायत या टीम में जबरन जगह की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि केवल यह जानना चाहती हैं कि आखिर उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।मनिका ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और फैसलों में कथित मनमानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा है कि यदि उन्हें इस फैसले के पीछे की वजह का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी।

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

मनिका ने अपने बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।'

रैंकिंग और फॉर्म को लेकर उठाए सवाल

विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका ने पूछा कि आखिर किस आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि चयन किसी एक सप्ताह, दो महीने, छह महीने या पूरे वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। मनिका का मानना है कि केवल रैंकिंग ही नहीं, बल्कि हालिया प्रदर्शन और मौजूदा फॉर्म को भी चयन का आधार बनाया जाना चाहिए।

वोटिंग आधारित चयन पर भी जताई चिंता

मनिका ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि अंतिम चयन वोटिंग के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि किसने और किन कारणों से फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे खिलाफ वोटिंग हुई है तो उसके पीछे क्या कारण थे? क्या फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया था या व्यक्तिगत राय के आधार पर? इन सवालों के जवाब पारदर्शी तरीके से सामने आने चाहिए।'

शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच

दुबई। भारत के ओपनर शुभमन गिल की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर बदलाव हुआ है जिसमें इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने फिर से नंबर 1 स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रूट के 46 और 77 रनों के स्कोर ने उन्हें दो स्थान ऊपर चढ़ने और अपने साथी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलने में मदद की जिससे वे अपने करियर में 12वीं बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

हालिया प्रदर्शन के बाद गिल तीन स्थान ऊपर चढ़े और अब वनडे बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं जो शीर्ष रैंकिंग वाले डेरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारत के ही बल्लेबाज ईशान किशन ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

यशस्वी को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म...

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 का सीजन अभी दूर है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अभी से इसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की वापसी सुखद नहीं रही है और जब से वह टीम में दोबारा शामिल हुए हैं, तभी से टीम और स्वंय उनके लिए चीजें विपरीत होती चली गई हैं। अब खबर आ रही है कि हार्दिक ने मुंबई इंडियंस से राहें अलग करने का मन बना लिया है और उन्हें इसके लिए दो प्रस्ताव मिले हैं।

केकेआर ने मुंबई से साधा संपर्क

शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक को दो प्रस्ताव मिले हैं। सूत्र ने बताया कि नाइट राइडर्स के शीर्ष प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर कई बार बातचीत हुई है। सूत्र ने बताया, अजिंक्य रहाणे केकेआर के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सत्र के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। केकेआर के बड़े अधिकारियों ने पिछले सत्र के आखिर में मुंबई इंडियंस के मालिकों से संपर्क किया था लेकिन उस समय रिलायंस की सालाना आम बैठक होने वाली थी इसलिए उस समय आईपीएल ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी। हालांकि पता चला है कि केकेआर ने फिर से मुंबई इंडियंस के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है। यह तय है कि अगर हार्दिक पूरी तरह से नकद करार या खिलाड़ी की अदला-बदली के जरिए केकेआर में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि मुंबई की टीम इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह नकद करार चाहती है या खिलाड़ी की अदला-बदली तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

ट्रेड को लेकर क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों में साफ कहा गया है कि कोई खिलाड़ी टीम छोड़ने को लेकर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी के बीच ही हो सकती है। यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है तो उसे रिलीज करके वापस नीलामी में भेजना होगा।

राजस्थान रॉयल्स से भी मिला प्रस्ताव

राजस्थान से मिली ट्रेड की पेशकश

मुंबई को मिली दूसरी पेशकश यशस्वी जायसवाल और हार्दिक के बीच अदला-बदली की बताई जा रही है, लेकिन पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत आगे बढ़ी है या नहीं। हालांकि रॉयल्स की टीम असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रही है इसलिए हार्दिक को कप्तानी की भूमिका मिलना मुश्किल होगा। अगर हार्दिक किसी अन्य टीम के साथ जुड़ते हैं तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में केकेआर फिलहाल कहीं अधिक बेहतर विकल्प लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

सेमीफाइनल अभी भी पूरी तरह तय नहीं

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार–चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।' ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं जल्दी आउट हो गई थी और उससे निराश थी। लेकिन आज हमने जीत हासिल की और एक खिलाड़ी तथा कप्तान के रूप में मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और हमेशा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी की।' श्रीलंका ने यह मुकाबला 4.3 ओवर शेष रहते नौ विकेट से जीत लिया। दिन के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/7 का स्कोर बनाया। डार्सी कार्टर ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए।

सामाजिक सुरक्षा, बाल संरक्षण, श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

पेंशन योजनाओं से छूटे लाभुकों का हो शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूंटी । उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में सामाजिक सुरक्षा, बाल संरक्षण, श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं में छूटे हुए लाभुकों की पहचान कर उनका शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाने पर बल दिया। बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को ससमय बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने तथा अधिक से अधिक बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन इकाई को थाना स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए बस पड़ाव, हाट-बाजार एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित औचक निरीक्षण करने तथा बाल श्रम, बाल विवाह एवं बच्चों से जुड़े अन्य संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नियोजन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिला एवं प्रखंड स्तर पर नियमित रोजगार शिविर आयोजित कर अधिकाधिक बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने तथा निजी एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ समन्वय स्थापित कर युवाओं के नियोजन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

राशन वितरण, आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी के लिए हुई जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक

खूंटी । समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय टास्क फोर्स (आपूर्ति) की बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में राशन आपूर्ति, राशन वितरण, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, राशनकार्ड सहित आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी के राशन कार्डधारियों को उपलब्ध कराए जा रहे खाद्यान्न वितरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को समय पर खाद्यान्न उठाव एवं लाभुकों के बीच निर्धारित मात्रा में ससमय वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का निरीक्षण कर व्यवस्था की निगरानी करने को कहा। राशन कार्डधारियों के आधार एवं मोबाइल नंबर सीडिंग कार्य की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं पीडीएस डीलरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मोहना टोली में स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन, 4 यूनिट रक्त संग्रह

बिभा संवाददाता

खूंटी । सदर अस्पताल के रक्त केंद्र के द्वारा बुधवार को खूंटी नगर पंचायत के वार्ड संख्या 6 मोहना टोली सामुदायिक भवन में स्वास्थ्य जाँच एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ उपाधीक्षक डॉक्टर आनंद किशोर उरांव एवं वार्ड पार्षद शिखा देवी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने संबोधन में डॉ आनंद किशोर उरांव ने बताया कि आए दिन जिले में थैलीसीमिया पीड़ित मरीजों, गर्भवती महिलाओं एवं दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को ससमय रक्त मिल सके इसके लिए रक्त केंद्र के द्वारा लगातार स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाता है उन्होंने उपस्थित वार्ड पार्षद के इस पुनीत पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब जनप्रतिनिधि अपने वार्ड में रक्तदान शिविर लगाते है तो लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ती है। वार्ड पार्षद ने बताया कि रक्तदान महादान होता है हर स्वस्थ व्यक्ति को अपना सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए रक्तदान अवश्य करना चाहिए काउंसलर निशांत झा ने बताया कि रक्तदान के प्रति लोगों के अंदर अनेक प्रकार की भ्रांतियां है जिसे आवश्यक परामर्श से दूर किया जा रहा है । शिविर में पवन कुमार , योगेन्द्र कुमार , संजीत कुमार एवं जितेन्द्र कुमार के द्वारा 4 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर को सफल बनाने में स्वास्थ्य सहिया बेबी देवी , रक्त केंद्र के सुषमा कुजूर , ममता कुमारी , अंजनी कुमारी , सुनीता देवी ने भूमिका निभाई।

सेंट्रल मुहर्रम समिति ने बड़ा फैसला: इस साल शहर में नहीं निकलेगा मुहर्रम का जुलूस

बिभा संवाददाता

खूंटी । आगामी 26 जून को मुहर्रम पर्व मनाया जाना है। लेकिन इस अवसर पर शहर में निकाले जाने वाला शोभायात्रा को सेंट्रल मुहर्रम समिति खूँटी और मुस्लिम समाज के लोगों ने स्थगित कर दिया है। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए वार्ड पार्षद खालिद हुसैन ने जानकारी दिया कि इस बार मुहर्रम के अवसर पर जुलूस निकालने का योजना को स्थगित कर दिया है। जिन्होंने यह फैसला लिया है कि इस साल मुहर्रम का जुलूस नहीं निकला जायेगा, क्योंकि खूंटी प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी है । उन्होंने कहा कि जब शांति समिति की बैठक हुई थी तब सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श कर लिया गया था कि मुहर्रम का जुलूस 27 जून और 28 जून को निकाला जायेगा। पर जब परमिशन लेने जाया गया। तब प्रशासन ने खुले शब्दों में कहा कि वो 26 जून और 27 जून का परमिशन देंगे, 28 तारीख की अनुमति नहीं दी जा सकती। जबकि सेंट्रल मुहर्रम समिति के लोगों ने बताया कि वो 27 और 28 तारीख को क्यों मना रहे है, कहकर प्रशासन ने इसे इनकार कर दिया। इस कारण इस बार मुहर्रम का जुलूस निकाला नहीं जाएगा।

वृद्ध किसान की गला काटकर अज्ञात अपराधी ने मार डाला

तमाड़ । बुधवार को तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बारेडीह गाँव में व्यक्ति गोविंद महतो नाम के एक वृद्ध की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गयी। मिली जानकारी के अनुसार, गोविंद महतो खेत में बिचड़ा बोने गये थे। बताया जाता है कि काम के दौरान वह एक पेड़ के नीचे बैठ कर आराम कर रहे थे। तभी अज्ञात हमलावर ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गयी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पहुँची। पुलिस ने बताया की हत्या के कारणों पता नहीं चल पाया है। लेकिन पुलिस आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है, जाँच के बाद ही मामले का खुलासा होगा।

संक्षिप्त खबरें

बुटन देवी का राष्ट्रीय सम्मान पूरे पंचपरगना का गौरव : सुदेश महतो

बुंडू(बिभा)। संगीत नाटक अकादमी सम्मान के लिए चयनित झारखंड की सुप्रसिद्ध लोकगायिका एवं लोकनृत्य कलाकार बुटन देवी को बुधवार को उनके ताऊ स्थित आवास पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने सम्मानित किया। इस अवसर पर कलाकारों और ग्रामीणों ने पारंपरिक नृत्य-गीत के माध्यम से उनका भव्य स्वागत किया। सुदेश महतो ने बुटन देवी, उनके पति लखीचरण मुंडा तथा कलाकार दल के सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि स्वर कोकिला के नाम से विख्यात बुटन देवी को राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अकादमी सम्मान मिलना पूरे पंचपरगना क्षेत्र और झारखंड के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 45 वर्षों से बुटन देवी लोकगीत, लोकनृत्य और झारखंडी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। उनके अथक परिश्रम और कला साधना ने झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाई प्रदान की है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल बुटन देवी का नहीं, बल्कि पूरे पंचपरगना की सांस्कृतिक विरासत और यहां की लोककला परंपरा का सम्मान है। उनके संघर्ष, समर्पण और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने ताऊ गांव में बुटन देवी के नाम पर कला भवन निर्माण की मांग रखी। इस पर सुदेश महतो ने कला भवन निर्माण कराने का आश्वासन दिया। मौके पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, राजकिशोर कुशवाहा, श्याम कुमार महतो, हरिहर महतो, देवनाथ कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में कलाकार, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बजरंग बली मंदिर निर्माण के लिए खूंटी टोली में किया गया मंदिर का छत ढलाई

खूंटी(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र के तोरपा रोड खूंटीटोला में भगवान बजरंग बली का एक मंदिर निर्माण कार्य किया जा रहा है। बुधवार को जिसका छत ढलाई किया गया। इस निमार्णाधीन मंदिर की छत ढलाई का कार्य शुभारम्भ के पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना के उपरांत किया गया। इस शुभ अवसर पर ग्राम के वरिष्ठजनों, मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने श्रम, समय और आर्थिक सहयोग से मंदिर निर्माण कार्य को नई गति प्रदान की। मंदिर निर्माण समिति ने सभी ग्रामवासियों, दानदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से मंदिर का निर्माण शीघ्र पूर्ण होगा और यह मंदिर पूरे क्षेत्र के लिए श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक समरसता का केंद्र बनेगा। यह जानकारी मंदिर निर्माण समिति के सदस्य कमलेश महतो ने दिया ।

तोरपा प्रखंड में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

तोरपा (बिभा)। डालसा द्वारा बुधवार को तोरपा प्रखंड सभागार में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से व्यवहार न्यायालय, खूँटी में कार्यरत स्थायी लोक अदालत की भूमिका, क्षेत्राधिकार, कार्यप्रणाली एवं इसके माध्यम से जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित मुकदमा-पूर्व विवादों के सुनवाई एवं निष्पादन पर केन्द्रित रहा। जिसमें बैंकिंग सेवाएँ , परिवहन सेवाएँ , डाक, तार एवं दूरभाष सेवाएँ , विद्युत, प्रकाश एवं जलापूर्ति सेवाएँ , अस्पताल अथवा औषधालय में सार्वजनिक स्वच्छता एवं संरक्षण सेवाएँ , बीमा सेवाएँ इत्यादि पर उन्होंने ऋण एवं बीमा से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण की प्रक्रिया से उपस्थित जनसमूह को विस्तारपूर्वक अवगत कराया। इसके पश्चात स्थायी लोक अदालत की सदस्या मधु कुमारी रजक ने उपस्थित जनसमूह को वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली एवं विधिक सेवाओं के महत्व के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के क्रम में सहायक एलएडीसी निखिल मेहता ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली एवं इसके विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव कमलेश बेहरा ने दी।

पीएलएफआई के नाम पर युवक की गिरफ्तारी के विरोध में जरियागढ़ थाना का घेराव, निष्पक्ष जांच मांग

बिभा संवाददाता

खूंटी । कर्रा प्रखंड के लापा बांध टोली निवासी सुनीत केरकेट्टा की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को संयुक्त पड़हा संघ के नेतृत्व में दर्जनों गांवों के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने जरियागढ़ थाना का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सुनीत केरकेट्टा को निर्दोष बताते हुए उनकी रिहाई तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण थाना परिसर में प्रवेश कर गिरफ्तार सुनीत केरकेट्टा की तलाश करने लगे, लेकिन उनके वहां नहीं मिलने पर थाना के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसा रही है तथा विरोध करने वालों को जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सुनीत केरकेट्टा का किसी भी आपराधिक या उग्रवादी गतिविधि से कोई संबंध नहीं है। सुनीत केरकेट्टा की पत्नी एनेशिया बागे ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब 12 बजे पुलिस उनके घर पहुंची और तलाशी लेने के बाद हथियार बरामद होने का दावा करते हुए उनके पति को अपने साथ ले गई। उन्होंने इस संबंध में थाना में आवेदन देकर अज्ञात वर्दीधारी लोगों द्वारा उनके पति को उठाकर ले जाने की शिकायत भी दर्ज कराई है। वहीं पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तारी को पूरी तरह वैधानिक बताते हुए कहा है कि सुनीत केरकेट्टा के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से संबंध होने के संकेत मिले हैं। पुलिस के अनुसार पूर्व में गिरफ्तार उग्रवादियों से बरामद डायरी में सुनीत केरकेट्टा का नाम और मोबाइल नंबर मिला था। इसी आधार पर उनके घर में छापेमारी की गई, जहां से हथियार तथा पीएलएफआई से संबंधित पर्चे बरामद होने का दावा किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान बक्सपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के कुछ लोगों के उग्रवादी संगठन से जुड़े होने के प्रमाण मिले हैं और कानून के अनुसार कार्रवाई जारी है। इधर, गिरफ्तारी को लेकर पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं, जबकि पुलिस मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

खूंटी में मुनि संघ का भव्य मंगल विहारः भक्ति और जयकारों के साथ रांची की ओर बढ़े कदम

बिभा संवाददाता

खूंटी । परम पूज्य गुरु भगवंत आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज का खूंटी की पावन धरा से रांची की ओर मंगल विहार संपन्न हुआ। मुनि श्री का यह मंगल विहार खूंटी, रांची, रामगढ़ और हजारीबाग होते हुए कोडरमा की ओर होगा। खूंटी से विदाई के समय पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों के बीच समाज के श्रद्धालुओं ने अश्रुपूर्ण नेत्रों और अगाध श्रद्धा के साथ मुनि द्वय को भावभीनी विदाई दी। मुनि संघ के विहार के दौरान मार्ग में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों ने जगह-जगह रुककर मुनि श्री की आरती उतारी और पद प्रक्षालन (चरण पखारकर) कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि श्री के स्वागत में पूरे नगर को आकर्षक फ्लेक्स से सजाया गया था, जो खूंटी की धर्मपरायणता को दर्शा रहा था। इस पूरे विहार कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाने में दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों और प्रबुद्ध जनों ने अग्रणी भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन में समाज के उपाध्यक्ष श्रीपाल जैन, सचिव रमेश जैन, सह-सचिव प्रकाश जैन, कोषाध्यक्षः अरविंद जैन , समाज के महिला मंडल की अध्यक्षः मीना जैन, पूर्व अध्यक्षः सुशीला जैन, सचिवः शालू जैन, कोषाध्यक्षः संगीता जैन सहित समाज के वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य अशोक जैन, रिशु जैन, चिरंजी लाल जैन प्रदीप जैन, बंटी जैन, निर्मल जैन, राजेश जैन, रोहित जैन, मनीष जैन, मनोज जैन, टिल्लू जैन, अमित जैन, अंकित जैन, राकेश जैन सहित समस्त जैन समाज के महिला-पुरुषों और युवाओं ने अपनी निस्वार्थ सेवाएं देकर इस मंगल विहार को ऐतिहासिक और भव्य बनाया। मुनि श्री के जयकारों से पूरा मार्ग गुंजायमान रहा।

हाथियों डेरा बना कुलडा वन में राजकीय राजमार्ग-3 बना विचरण स्थल, राहगीरों को बढ़ी परेशानी

बिभा संवाददाता

खूंटी । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुलडा जंगल पर मुख्य राजमार्ग 03 में एक जंगली हाथी ने राहगीरों के साथ अच्छा खेल खेला है। लोग जब भी आगे बढ़ने की कोशिश करते हाथी बाहर निकल जाता । फिर सड़क छोड़ किनारे है जाता । जिस दृश्य को देखकर भी लोगों ने आनन्द लिया। ये खेल लगभग घंटे भर से अधिक देर तक हाथी ने खेला । हालांकि किसी कौन हाथी नुकसान नहीं पहुंचाया। लेकिन लोगों में मनोरंजन के साथ दहशत भी व्याप्त रहा। बता दें कि खूँटी के तोरपा थाना क्षेत्र में इन दिनों हाथियों का दहशत बना हुआ हुआ है। जिसके कारण राजकीय राजमार्ग 03 में कुलडा जंगल के पास से लोग डरकर पार होते हैं। जिस जंगल में विगत 15 दिनों से हाथियों के द्वारा डेरा डाला गया गया है । जो अक्सर सड़कों पर ही बने रहते हैं। हाथियों के जमावड़े होने से राहगीर और स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ गया है। जंगलों से वनोत्पाद चुनकर आजीविका चलने वाले परिवारों की परेशानी पिछले 10 दिनों से बढ़ती जा रही है जंगली हाथियों के जंगल में डेरा जमाये जाने से स्थानीय लोग जंगल नहीं जा पा रहे हैं। जंगल से भटक कर जंगली हाथी सड़कों पर पहुंच रहे हैं,जिससे अनहोनी का खतरा बढ़ गया है।बुधवार को सुबह 7 बजे जंगली हाथी मुख्य पथ पर पहुंचकर सड़क से गुजर रहे (वाहनों के सामने खड़ा हो गया।जिससे वाहन चालकों और राहगीरों में हड़कंप मच गया।सड़क के बीचो-बीच खड़े विशाल जंगली हाथी के सड़क में भ्रमण करने फोटो और वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।स्थानीय लोगों ने वन विभाग के कर्मियों से जंगली हाथियों को सुरक्षित और घने वन क्षेत्र में भगाने का गुहार लगाया है। बता दें कि मंगलवार को दिन के 10:00 बजे के आसपास। मुख्य पथ से गुजर रहे एक साइकिल सवार व्यक्ति के सामने जंगली हाथी पहुँच गया। इसके बाद साइकिल सवार मौके पर साइकिल छोड़कर भाग कर अपनी जान बचाई। लगातार जंगल से भटक कर मुख्य पथ पर जंगली हाथी के पहुंचने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

स्वर्ण व्यवसायियों की सुरक्षा को लेकर स्वर्णकार संघ ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

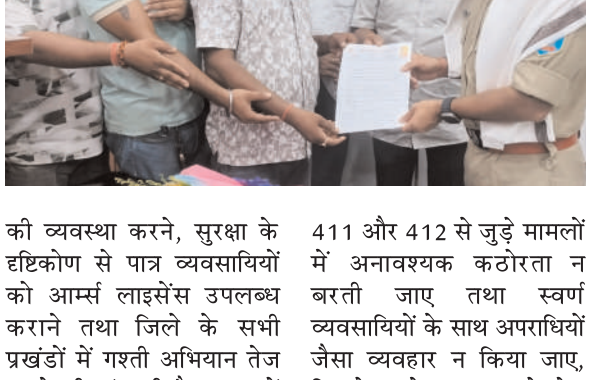

खूंटी। खूंटी जिला स्वर्णकार संघ ने जिले के स्वर्ण व्यवसायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। संघ के जिला अध्यक्ष प्रशांत लाल के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्वर्ण व्यवसायी लंबे समय से अपना व्यवसाय संचालित कर रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में चोरी, डकैती, छिनतई, लूट और हत्या जैसी घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। संघ ने पुलिस प्रशासन से स्वर्ण व्यवसायियों की दुकानों के आसपास नियमित पुलिस गश्ती की व्यवस्था करने, सुरक्षा के दृष्टिकोण से पात्र व्यवसायियों को आर्म्स लाइसेंस उपलब्ध कराने तथा जिले के सभी प्रखंडों में गश्ती अभियान तेज करने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि भारतीय दंड संहिता की पुरानी धारा 411 और 412 से जुड़े मामलों में अनावश्यक कठोरता न बरती जाए तथा स्वर्ण व्यवसायियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार न किया जाए, जिससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती है। इसके अलावा संघ ने मांग की है कि यदि किसी दुकानदार के पास चोरी का माल बरामद होता है तो उसे आरोपी के बजाय सरकारी गवाह बनाया जाए। साथ ही जिले में हुई चोरी, डकैती और लूट की घटनाओं का शीघ्र उद्भेदन कर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। स्वर्णकार संघ ने कहा कि व्यवसायियों की सुरक्षा और सम्मान बनाए रखने के लिए प्रशासन को प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि वे निर्भय होकर अपना व्यवसाय कर सकें। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष प्रशांत लाल, महामंत्री बाबू सोनी, कृष्णा सोनी , जयंत लाल आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

बिरसा कॉलेज में छात्र सुविधाओं और सुरक्षा को लेकर अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की खूंटी जिला इकाई ने बुधवार को बिरसा महाविद्यालय में व्याप्त छात्रहित से जुड़ी समस्याओं, मूलभूत सुविधाओं की कमी तथा छात्र सुरक्षा के मुद्दों को लेकर प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत को ज्ञापन सौंपा। जिला संयोजक हिरंजली हेमरोम के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में सात दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी भी उपस्थित रहे। ज्ञापन में महाविद्यालय परिसर में अग्निशामक यंत्रों की स्थिति की जांच, उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित करने तथा कर्मचारियों को फायर सेफ्टी प्रशिक्षण देने की मांग की गई। इसके अलावा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, छात्र-छात्राओं के शौचालयों की नियमित सफाई, बंद पड़े कंप्यूटर कक्ष को पुनः शुरू करने, पुस्तकालय में समाचार पत्र एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराने तथा कॉमन रूम को सक्रिय करने की मांग उठाई गई। हिरंजली हेमरोम ने कहा कि परिषद लंबे समय से छात्रहित के मुद्दे उठाती रही है, लेकिन कई समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो पाया है। वहीं प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने छात्र सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को संस्थान की प्राथमिकता बताया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत ने ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। अभाविप ने चेतावनी दी कि मांगों पर पहल नहीं होने पर चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए, प्रवासी न लें भाग : के. रवि

बिभा संवाददाता

साहेबगंज/गोड्डा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। भारत में रह रहे प्रवासी इस प्रक्रिया में भाग न लें। उन्होंने कहा कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया त्रुटि रहित एवं समावेशी मतदाता सूची के निर्माण के लिए है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बुधवार को संथाल परगना दौरे के दूसरे दिन साहेबगंज के सीमावर्ती प्रखंड बरहरवा स्थित प्लस 2 बरहरवा उच्च विद्यालय एवं सुदूरवर्ती आदिवासी बहुल प्रखंड सुंदर पहाड़ी में ईआरओ स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए झ2 कि ट्रेनिंग का निरीक्षण कर रहे थे ।

श्री के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में 5 श्रेणियों एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट एवं रिफ्यूज टू साइन कैटेगरी के मतदाताओं को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रिफ्यूज टू साइन कैटेगरी के अंतर्गत मतदाताओं की दो उप-श्रेणियां आती हैं। पहली - 2026 की मतदाता सूची में कुछ ऐसे मौजूदा मतदाता हैं जो दूसरे देश में चले गए हैं और वहां की नागरिकता प्राप्त कर ली है, लेकिन उन्होंने भारत की मतदाता सूची से अपना नाम नहीं हटवाया है। दूसरी - झारखण्ड में यदि विदेशी नागरिक जो कानूनी अथवा अवैध तरीकों से रह रहे हैं और यदि पिछले एसएसआर या मतदाता सूची के कंटिन्यूअस अपडेशन के दौरान प्रपत्र-6 में झूठी घोषणा देकर अवैध रूप से मतदाताओं के रूप में अपना पंजीकरण कराया है तो ऐसे व्यक्ति भारत के संविधान के अधिनियम 1950 एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के आधार पर कि विदेशी नागरिक भारत में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के योग्य नहीं हैं और ईसीआई के इन निर्देशों को भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है कि विदेशी, मतदाता के रूप में पंजीकरण करने के हकदार नहीं हैं, उन्होंने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 और भारत में रहने वाले विदेशियों पर लागू अन्य कानून के तहत, इन्यूमरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर करके झूठी घोषणा देना एक दंडनीय अपराध है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि झारखण्ड में कानूनी या अवैध रूप से रह रहे इन विदेशी नागरिकों से उम्मीद की जाती है कि वे इन्यूमरेशन फॉर्म को बिना हस्ताक्षर किए बीएलओ को वापस कर देंगे और बीएलओ फील्ड वेरिफिकेशन के आधार पर अपना निष्कर्ष लिखने के लिए इन्यूमरेशन फॉर्म में नीचे दिए गए स्थान पर लिखित रूप में कारण दर्ज करेंगे।

श्री के. रवि कुमार ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समावेशी बनाने के लिए बीएलओ 2 की भूमिका अहम है, जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे बीएलओ को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण में बीएलए 2 का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि अन कलेक्टवल इन्यूमरेशन फॉर्म एएसडीडी (अरऊ - अुरील्ल३, ग्रँ३ी, ऊ्रस्र'ी३ी, ऊी३ँ) सूची का हिस्सा होंगे और इस सूची को सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ-बीएलए-2 की बैठक के समक्ष रखा जाएगा। इस बीएलओ-बीएलए-2 बैठक की कार्यवाही दर्ज की जाएगी और फिर इस बैठक की कार्यवाही और तस्वीर को भी संबंधित बीएलओ द्वारा ईसीआईनेट पर अपलोड किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलए-2 की नियुक्ति मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दलों की भागीदारी सुनिश्चित करने और बीएलओ स्तर पर तैयार की जा रही मतदाता सूची का समकालीन अंकेक्षण/जांच करने के लिए की जाती है। यह एएसडीडी सूची सभी मतदान केंद्रों, पंचायत भवन, शहरी स्थानीय निकायों के कार्यालयों में प्रकाशित की जाएगी और प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को एएसडीडी सूची की एक प्रति भी प्रदान की जाएगी, जो कि 5 अगस्त 2026 को निर्धारित है। यह जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर भी सर्चेबल फॉर्मेट में उपलब्ध होगी।

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने कोडरमा पटना-बख्तियारपुर-तिलैया-कोडरमा रेलखंड का किया निरीक्षण

बिहान भारत

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पटना-बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया-बंधुआ-कोडरमा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों, पुल-पुलियों, ओएचई प्रणाली, पथ-रचना तथा ट्रैक की संरक्षा एवं मजबूती का अवलोकन किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोडरमा स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन नए स्टेशन भवन एवं विकसित की जा रही यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की ।

इसके उपरांत गझंडी-गुरपा रेलखंड के मध्य स्थित तीनों सुरंगों (टनलों) से कोयला से लदे बीओबीआरएन रेक का सफलतापूर्वक परिचालन कराया गया । इस महत्वपूर्ण परिचालन के दौरान महाप्रबंधक महोदय स्वयं इंजन में उपस्थित रहे तथा संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया । इस फूट प्लेट निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्रीमती इंदु रानी दुबे एवं धनबाद के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे ।

इस घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक के परिचालन प्रारंभ करने के उद्देश्य से इस टनल का रीडिजाइन और डाइमेंशन बढ़ाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया जा रहा है । पिछले महीने ही महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में डाउन लाइन में खाली बीओबीआर रेक के परिचालन के ट्रायल का निरीक्षण किया गया था । चुनौतीपूर्ण गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक से परिचालन प्रारंभ हो जाने से बाढ़ एवं बरौनी एन.टी.पी.सी प्लांट्स के लिए वैगन टर्नराउंड में सुधार होगा तथा रेक की उपलब्धता बढ़ जाने से ज्यादा लोडिंग संभव हो पाएगा ।

निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक महोदय गया जं. पहुंचे जहां उन्होंने गया जं. पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा ।

संक्षिप्त खबरें

तोपचांची में डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन

धनबाद(बिभा): तोपचाँची में नवस्थापित डायलिसिस केंद्र का विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, उपायुक्त आदित्य रंजन तथा उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के मरीजों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए राज्य सरकार ऐसी जनहितकारी पहलें निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। तोपचाँची में इस डायलिसिस केंद्र के खुलने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और समय पर इलाज मिलने से कई जानें बचाई जा सकेंगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से अब स्थानीय मरीजों को डायलिसिस के लिए धनबाद या अन्य शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं (जैसे आयुष्मान भारत) के तहत पात्र मरीजों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। केंद्र में अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें और जीवन रक्षक उपकरण लगाए गए हैं, ताकि मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा मिल सके। मरीजों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित तकनीशियन और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तैनात की गई है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी, कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर बताया है।

सड़क सुरक्षा को लेकर नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता अभियान का आयोजन

पलामू(बिभा) : सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को जिले के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छः मुहान चौक, शाहपुर बस एवं टेम्पो स्टैंड, बैरिया चौक तथा रेडमा चौक पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया।अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों में बिना हेलमेट चलने वाले एवं ट्रिपल राइडिंग करने वाले लोगों को फूलों की माला पहनाकर जागरूक किया गया। उन्हें संदेश दिया गया कि यदि वे अपनी सुरक्षा के प्रति लापरवाह रहेंगे और हेलमेट का उपयोग नहीं करेंगे, तो कहीं ऐसा न हो कि भविष्य में उनकी तस्वीर पर ही माला चढ़ानी पड़े। इस प्रतीकात्मक पहल के माध्यम से लोगों को हेलमेट पहनने और सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व का एहसास कराया गया।कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा सेल के सदस्यों एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव तथा अन्य यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नियमों के उल्लंघन से होने वाली दुर्घटनाओं एवं उनके दुष्परिणामों के बारे में भी लोगों को अवगत कराया गया।अभियान का उद्देश्य लोगों में यह भावना विकसित करना था कि सड़क सुरक्षा केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि स्वयं एवं परिवार की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। प्रतीकात्मक रूप से माला पहनाकर नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों को यह संदेश दिया गया कि यातायात नियमों का पालन जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।सड़क सुरक्षा सेल के प्रबंधक विनीत कुमार ने सभी वाहन चालकों एवं आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करें तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है, इसे लापरवाही के कारण व्यर्थ न गंवाएं।

रांची एयरपोर्ट पर बर्ड स्ट्राइक रोकने के लिए सख्त फैसले

बिरसा चौक और हिनू में खुले में मांस-मछली बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

रांची : बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची में विमानपत्तन पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक मनोज कुमार, आईएएस, आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल एवं सह-अध्यक्ष, विमानपत्तन पर्यावरण प्रबंधन समिति की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विमानपत्तन निदेशक विनोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विमानन सुरक्षा, विशेषकर पक्षी टकराव की रोकथाम तथा हवाई अड्डे के आसपास सुरक्षित परिचालन वातावरण सुनिश्चित करने से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई।

बैठक में हवाई अड्डे के आसपास संचालित अनधिकृत मांस एवं मछली बिक्री केंद्रों तथा बूचड़खानों के विरुद्ध कार्रवाई को और सख्त करने का निर्णय लिया गया। संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण एवं उल्लंघनकताओं पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त बिरसा चौक, हिनू चौक एवं हवाई नगर क्षेत्र में संचालित फूड वैन, रेस्तरां एवं अन्य खाद्य विक्रेताओं द्वारा कचरे के उचित निपटान को सुनिश्चित करने हेतु औचक निरीक्षण करने तथा नियमों का पालन नहीं करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। हवाई अड्डे के आसपास खुले नालों के कारण जलजमाव एवं कीटों के प्रजनन से पक्षियों के आकर्षित होने की समस्या पर भी चर्चा हुई। रांची नगर निगम द्वारा नालों को ढकने हेतु चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा कार्य को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया गया।

बैठक में मोबाइल टावरों, ऊँची टंकियों एवं इमारतों पर विमानन अवरोधक लाइटों की स्थापना एवं उनकी सेवाक्षमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विमानन सुरक्षा से संबंधित गजट अधिसूचना जीएसआर 751(ए) एवं अन्य दिशा-निर्देशों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया गया, ताकि नागरिकों एवं संबंधित संस्थाओं में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

बैठक में रांची जिला प्रशासन, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अअक), रांची नगर निगम, पुलिस प्रशासन, वन विभाग, भारतीय सेना तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सभी विभागों ने हवाई अड्डे के आसपास सुरक्षित, स्वच्छ एवं पक्षी-मुक्त वातावरण बनाए रखने हेतु समन्वित प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया

गुमला : पर्यटन विभाग, गुमला द्वारा जिले के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों–आंजन धाम, हापामुनी मंदिर, देवाकी बाबा धाम एवं नवरत्नगढ़ किला में मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यटकों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। जागरूकता संदेशों एवं जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पर्यटन विभाग द्वारा बताया गया कि जिले के पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं नशामुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के जागरूकता अभियान आगे भी निरंतर संचालित किए जाएंगे। स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया।

मुरी रेलवे स्टेशन पर चलाया गया ऑपरेशन 'सतर्क', पकड़ी गयी शराब की बड़ी खेप

बिभा संवाददाता

रांचीः ऑपरेशन सतर्क के तहत फ्लाइंग टीम रांची एवं आरपीएफ पोस्ट मुरी द्वारा मुरी रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में अवैध वस्तुओं, दलालों, असामाजिक तत्वों तथा संदिग्ध गतिविधियों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया. जांच के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर न्यू फुट ओवर ब्रिज के निकट एक व्यक्ति सफेद रंग का भारी बोरा लेकर संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ पाया गया. संदेह के आधार पर उसे रोककर पूछताछ की गई.

पूछताछ में उसने अपना नाम बिंदेश्वर यादव (64 वर्ष), पुत्र स्व० बंगाली यादव, निवासी- शफीपुर, थाना- खुसरूपुर, जिला- पटना (बिहार) बताया तथा स्वीकार किया कि उक्त बोरा उसका है, जिसमें शराब रखी हुई है. बोरे की तलाशी लेने पर 79 अवैध पाउच तथा केन शराब, मूल्य 10,000/- बरामद हुई, पूछताछ के दौरान उक्त व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह उक्त शराब को बिहार ले जाकर अधिक मूल्य पर बेचकर अवैध लाभ अर्जित करना चाहता था.

इसके उपरांत अभियुक्त को गिरफ्तार कर जब्त सामग्री सहित अग्रिम कार्रवाई हेतु उत्पाद विभाग, रांची को सुपुर्द कर दिया गया. इस सफल कार्रवाई में आरपीएफ पोस्ट मुरी - एएसआई एस.के. सिंह, स्टाफ अवनीश सिंह. आरपीएफ फ्लाइंग टीम/रांची :- उपनिरीक्षक रवि शेखर, स्टाफ डी.के. जितेरवाल, प्रदीप कुमार, स्टाफ हेमंत शामिल रहे।

रेलवे के बीआर सिंह अस्पताल को बड़ी सौगातः दिल के मरीजों के इलाज के लिए आईआएफसी देगा 2.64 करोड़ का फंड

बिहान भारत

कोलकाताः रेलवे परिवार के लिए उन्नत, संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्व रेलवे के प्रमुख 525-बेड वाले चिकित्सा संस्थान बी.आर. सिंह अस्पताल में कल, 25 जून 2026 को एक महत्वपूर्ण अवसंरचना उन्नयन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अवसर पर पाँच अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों को औपचारिक रूप से रेलवे लाभार्थियों की सेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। यह परिवर्तनकारी पहल पूर्णतः भारतीय रेलवे वित्त निगम द्वारा प्रदान किए गए 2.64 करोड़ के विशेष कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व अनुदान से वित्तपोषित है। भारतीय रेल के साथ हुए एक समझौता ज्ञापन के तहत स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह सहायता प्रदान की गई है। इन उन्नत तकनीकों का समावेश विशेष रूप से हृदय रोग एवं ईएनटी (कान, नाक एवं गला) उपचार सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह उन्नयन जीवन रक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो अस्पताल के दो महत्वपूर्ण विभागों की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। कार्डियोलॉजी विभाग के लिए एक नया सेंट्रल मॉनिटरिंग सिस्टम, अत्याधुनिक एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन तथा उच्च स्तरीय इकोकार्डियोग्राफी मशीन उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे जटिल हृदय रोगों के निदान और उपचार की क्षमता में वृद्धि होगी। वहीं, ईएनटी विभाग को एक अत्याधुनिक ईएनटी एंडोस्कोपिक सेट-4के तथा माइक्रो डिब्राइडर सेट प्राप्त होगा, जो सटीक एवं न्यूनतम आक्रामक (मिनिमली इनवेसिव) सर्जरी को संभव बनाएगा और मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहायता करेगा।

यह भव्य आयोजन 25 जून को सुबह पूर्व रेलवे, कोलकाता के बी.आर. सिंह अस्पताल के ऑडिटोरियम में होगा। इस भव्य आयोजन का आयोजन पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के गतिशील नेतृत्व में किया जाएगा और इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मनोज दुबे द्वारा किया जाएगा। यह समारोह डॉ. नटराज बसप्पा , अन्य प्रधान विभागाध्यक्षों, राजीव सक्सेना, डॉ. देबाशीष गुहा , सियालदह मंडल के शाखा अधिकारियों और बी.आर. सिंह अस्पताल के डॉक्टरों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा यह सहयोग केवल उन्नत मशीनों की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि बेहतर चिकित्सा सेवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक रेलवे लाभार्थी को अत्याधुनिक उपचार के साथ सम्मान, गरिमा और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हों।

आसनसोल को पर्यावरण अनुकूल बनाएगा पूर्व रेलवेः शुरू किया गया विशेष 'ग्रीन लेगेसी मिशन'

बिहान भारत

कोलकाताः गुरूवार को, आसनसोल की मिट्टी भविष्य के एक संकल्प को अपनी गोद में समेटेगी। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के गतिशील नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्वदेशी फलों के पौधों के वितरण के साथ ग्रीन लेगेसी मिशन (हरित विरासत मिशन) की शुरूआत होगी। इस आयोजन के एक मुख्य आकर्षण के रूप में, महाप्रबंधक श्री मिलिंद देउस्कर स्वयं कल इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर इसका उद्घाटन करेंगे और इस अभियान को अपना सीधा समर्थन देंगे। यह पहल हर भागीदार कर्मचारी को एक ₹ग्रीन एंबेसडर₹ (हरित दूत) में बदलने और रेलवे परिवार तथा धरती माता के बीच एक भावनात्मक बंधन विकसित करने का एक हार्दिक आंदोलन है। 25.06.2026 को आसनसोल में जो जड़ें रोपी जा रही हैं, वे एक बहुत बड़े सपने की पहली धड़कन मात्र हैं।

यह पवित्र शुरूआत जल्द ही पूरे जोन के हर मंडल (डिवीजन) और कारखाने (वर्कशॉप) में गूंजेगी, जिससे पूरा रेलवे परिवार एक वास्तविक हरित पूर्व रेलवे के जीवंत शामियाने (कैनोपी) के रूप में बदल जाएगा।

आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री संग्रह मौर्य के समर्पित मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम एक

आत्मीय सामुदायिक अभियान का रूप ले लेता है। शाखा अधिकारी कर्मचारियों को देशी फलदार पौधे वितरित करेंगे, जिन्हें वे अपने सरकारी आवासों अथवा उपयुक्त स्थानों पर लगाकर उनकी देखभाल और उन्हें विकसित वृक्ष बनाने का संकल्प लेंगे। इस अभियान में परिवारों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। पौधारोपण के समय परिवारजन तस्वीरें लेंगे और अगले वर्ष 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) को अपनी-अपनी शाखाओं के व्हाट्सएप समूहों में पौधों की प्रगति साझा करेंगे। इस प्रकार पर्यावरणीय जिम्मेदारी एक साझा पारिवारिक आनंद में परिवर्तित होकर एक स्थायी ₹रेलवे ग्रीन नेटवर्क₹ का निर्माण करेगी।

यह पहल इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव और प्रकृति के बीच के संबंध को पुनः सशक्त बनाती है। संगठनात्मक स्तर पर यह पूर्व रेलवे की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी, कर्मचारियों की सहभागिता बढ़ाएगी तथा सकारात्मक कार्य-संस्कृति का निर्माण करेगी। व्यक्तिगत स्तर पर यह ताजे एवं पौष्टिक फलों की उपलब्धता के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करेगी, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देगी तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण प्रदान करेगी। पर्यावरणीय दृष्टि से यह परियोजना हरित क्षेत्र में वृद्धि करेगी, वायु गुणवत्ता में सुधार लाएगी, कार्बन अवशोषण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से लड़ने में सहायता करेगी तथा जैव विविधता को समृद्ध बनाएगी। इन पौधों का संरक्षण और संवर्धन भविष्य की पीढ़ियों में पर्यावरणीय चेतना का संचार करेगा और एक स्थायी हरित विरासत सुनिश्चित करेगा।

इस अभियान के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहाः 'ग्रीन लेगेसी मिशन' का मकसद सिर्फ. जमीन में पौधे लगाना नहीं है, बल्कि प्यार, ज़िम्मेदारी और उम्मीद का बीज बोना भी है। कल आसनसोल में लगाया जाने वाला प्रत्येक पौधा एक जीवंत विरासत का प्रतीक होगा, जो आने वाली पीढ़ियों को छाया और पोषण प्रदान करेगा तथा यह सिद्ध करेगा कि विकास और प्रकृति साथ-साथ फल-फूल सकते हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com